लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार, 1 सितंबर, 2026

वर्ष : 12 । अंक: 8

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

जीवन का सबसे बड़ा गुरु आपका अनुभव होता है, जो हर कदम पर कुछ नया सिखाता है।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi | NIGHT 28° Low

संक्षेप

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन पीड़ितों की मदद के लिए सिक्किम से रवाना हुआ 35 सदस्यीय विशेष दल

सिक्किम। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने सोमवार को 'सिक्किम फॉर नेपाल' राहत अभियान को रवाना किया। इसके तहत करीब 35 सदस्यीय दल बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित नेपाल के इलाकों में आवश्यक राहत सामग्री और चिकित्सा सहायता पहुंचाएगा। तमांग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''नेपाल और उसके लोगों की मदद करने तथा उनके साथ अपनी हार्दिक एकजुटता व्यक्त करने के एक विनम्र प्रयास के तहत सिक्किम इस त्रासदी से प्रभावित लोगों को आवश्यक राहत सामग्री और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए आगे आया है।'' सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) द्वारा आयोजित इस राहत अभियान के तहत दवाइयां, भोजन और अन्य आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई जाएगी। इसके अलावा प्रभावित समुदायों को चिकित्सा एवं बचाव सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। दल में चिकित्सा कर्मी, बचावकर्मी और स्वयंसेवक शामिल हैं, जिन्हें विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित इलाकों में लोगों की मदद के लिए भेजा गया है। तमांग ने कहा कि उन्होंने 'सिक्किम फॉर नेपाल' के बैनर तले एसकेएम के विशेष दल को रवाना किया। उन्होंने इस पहल को क्षेत्र के लोगों के बीच साझा ''करुणा, मानवता और भाईचारे की भावना'' का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''विपत्ति के समय हमें एकजुट होकर जरूरतमंदों की मदद के लिए हाथ बढ़ाना चाहिए।'' उन्होंने आपदा में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों और प्रभावित लोगों के प्रति एकजुटता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नेपाल के लोग जब पुनर्वास और पुनर्निर्माण की कठिन प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं, तब सिक्किम के लोगों की प्रार्थनाएं और संवेदनाएं उनके साथ हैं।

माई के लाल हैं तो आएं मेरे दरवाजे पर, तेज प्रताप ने संजय सिंह को होटल कांड पर दी चुनौती

पटना, एजेंसी। जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने बिहार सरकार के मंत्री और महुआ से लोजपा (रामविलास) विधायक संजय कुमार सिंह पर अपने आरोपों को लेकर एक बार फिर हमला बोला है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेज प्रताप ने कहा कि वह किसी से डरने वाले नहीं हैं और इस मामले से जुड़ी पूरी सच्चाई सामने लाकर रहेंगे। तेज प्रताप ने कुछ समय पहले सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए संजय सिंह पर दिल्ली के एक होटल में एक युवती के साथ कथित अभद्र व्यवहार और उसके शोषण का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगाया था। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। तेज प्रताप के मुताबिक, होटल कर्मचारियों के हस्तक्षेप के बाद कथित स्थिति को संभाला गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि बाद में करीब 25 लाख रुपये के कथित लेन-देन के जरिए मामले को दबाने या रफा-दफा करने का प्रयास किया गया। तेज प्रताप ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।तेज प्रताप के आरोपों पर संजय कुमार सिंह ने पलटवार करते हुए कहा था कि अगर कोई उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित कर दे तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। संजय सिंह के इस बयान पर तेज प्रताप ने भी उन्हें खुली चुनौती दे दी।

7.8% जीडीपी से आलोचकों को जवाब, आरबीआई अनुमान भी पीछे: पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत के आर्थिक विकास पर सवाल उठाने वाले आलोचकों पर निशाना साधा। दरअसल, सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में अर्थव्यवस्था ने उम्मीद से बेहतर 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्ज की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने इस तिमाही वृद्धि को उत्कृष्ट प्रदर्शन बताया। उन्होंने कच्चे तेल की कीमतों के झटकों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों और वैश्विक अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए इसे एक अभूतपूर्व व भागीरथ उपलब्धि करार दिया। पीएम मोदी ने कहा कि ₹बुरा-भला कहने वालों की हार हुई और भारत एक बार फिर खिल उठा! उनके ये बयान सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के उस डेटा के ठीक बाद आए, जिसमें दिखाया गया कि भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ी। यह भारतीय रिज़र्व बैंक के 7 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से ज़्यादा थी।

हालांकि, पहली तिमाही की यह वृद्धि पिछली तिमाही में दर्ज 8.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की तुलना में धीमी थी। फिर भी, यह 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में दर्ज 6.9 प्रतिशत की वृद्धि से ज़्यादा थी। ताज़ा आँकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। ईरान में संघर्ष और ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर उसके असर के कारण बढ़ी हुई जियोपॉलिटिकल और आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद भारत की विकास दर मज़बूत बनी हुई है।

उम्मीद से ज़्यादा तेज़ी से हुए इस विस्तार से पता चलता है कि एनर्जी की ज़्यादा कीमतों, महंगाई के दबाव और ग्लोबल स्तर पर कम मांग की चिंताओं के बावजूद घरेलू आर्थिक गतिविधियाँ मज़बूत बनी हुई हैं। RBI ने अनुमान लगाया है कि पूरे 2026-27 फाइनेंशियल ईयर के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। MoSPI के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में स्थिर कीमतों पर वास्तविक GDP का अनुमान 81.36 लाख करोड़ रुपये लगाया गया था, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये था। मौजूदा कीमतों पर नॉमिनल GDP का अनुमान 88.27 लाख करोड़ रुपये लगाया गया, जबकि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में यह 80 लाख करोड़ रुपये था; यह 10.3 प्रतिशत की विकास दर को दर्शाता है।

फुटपाथ वाहनों के लिए नहीं, दिल्ली हाईकोर्ट ने सड़क किनारे बाल काट रहे नाई का मुआवजा बढ़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई करते हुए व्यवस्था दी कि फुटपाथ पवित्र और सुरक्षित स्थान है और ये वाहनों के लिए नहीं हैं इसलिए, तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रक की चपेट में आए एवं सड़क किनारे बाल काटने का काम करने वाले नाई को 'लापरवाही में साझेदारी' के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने 19 अगस्त को दिये फैसले में दिल्ली के आनंद पर्वत औद्योगिक क्षेत्र में फुटपाथ पर अपनी दुकान चलाने वाले नाई को मिलने वाले मुआवज़े की राशि बढ़ा दी। उच्च न्यायालय ने मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के 2022 के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें '' लापरवाही में साझेदार'' होने के कारण मुआवजे की रकम 30 प्रतिशत कम कर दी गई थी।

अखिलेश यादव का यूपी एसटीएफ पर बड़ा हमला : बोले– यह 'स्वजातीय टॉर्चर फ़ोर्स' है

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार पर जाति के आधार पर भेदभाव करने का आरोप लगाया और कहा कि जाति के आधार पर फ़र्ज़ी एनकाउंटर किए गए। लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने राज्य की स्पेशल टास्क फ़ोर्स (STF) की आलोचना करते हुए दावा किया कि इसका इस्तेमाल समाज के कुछ खास वर्गों के ख़िलाफ़ किया गया। यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री की STF का असल मतलब 'स्वजातीय टॉर्चर फ़ोर्स' है और समाज के PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वर्गों को लगातार उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में बदायूं में एक पुलिस स्टेशन के अंदर एक दलित युवक की हत्या कर दी गई; गौरतलब है कि बदायूं के 22 पुलिस स्टेशनों में से 10 के इंचार्ज (SHO) मुख्यमंत्री की अपनी जाति के हैं।

उन्होंने कस्टडी में हुई मौतों के बारे में पुलिस के बयानों और मौजूद सबूतों में अंतर का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में एनकाउंटर जाति से प्रभावित होते हैं। यादव ने कहा कि बदायूं में कस्टडी में हुई मौत के मामले में पुलिस कार्डियक अरेस्ट को वजह बता रही है, लेकिन उनका बयान CCTV फुटेज से मेल नहीं खाता। वाराणसी में मुख्यमंत्री की जाति के लोगों ने रामजनम नाम के एक दलित व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। फर्जी एनकाउंटर के मामलों में, एनकाउंटर जाति के आधार पर किए गए। भविष्य में जब सरकार बदलेगी, तो इन सभी मामलों की जांच होगी। पुलिस विभाग के अंदर भी PDA से जुड़े लोगों के साथ अन्याय हो रहा है।

चुनाव से जुड़े मामलों पर बात करते हुए, यादव ने आरोप लगाया कि BJP आने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले एक और वोटर लिस्ट में सुधार का अभियान चलाने की योजना बना रही है, जिसका मकसद दूसरे राज्यों से आए लोगों को वोटर के तौर पर रजिस्टर करना है। उन्होंने कहा कि SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) के बाद, BJP UP चुनावों से पहले एक और रिविजन करने की योजना बना रही है; उन्होंने पहले SIR के बाद 'फॉर्म 7' भरा था।

जनता दर्शन में पहुंचे जरूरतमंद, सीएम योगी ने दिया इलाज में पूरी आर्थिक मदद का भरोसा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में अपनी बीमार बहन के इलाज की गुहार लेकर पहुंचे एक व्यक्ति को मदद का आश्वासन देते हुए सोमवार को कहा कि धन की कमी के कारण किसी का इलाज नहीं रुकेगा। एक बयान के मुताबिक यहां मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित 'जनता दर्शन' में पहुंचे अयोध्या निवासी श्याम सोनकर ने मुख्यमंत्री के समक्ष गुहार लगाई कि उनकी बहन बबिता कुछ दिनों से अयोध्या में भर्ती थीं लेकिन बाद में चिकित्सकों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। सोनकर ने कहा कि परिवार के अत्यंत गरीब होने के कारण इलाज में परेशानी आ रही है जिस पर मुख्यमंत्री ने अपने आवास से तत्काल पीड़िता को एंबुलेंस से गोमती नगर स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान भिजवाया।

मुख्यमंत्री का निर्देश मिलने के बाद चिकित्सकों की देख-रेख में मरीज का इलाज प्रारंभ हो गया। मुख्यमंत्री ने पीड़िता के परिजनों को जल्द से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। 'जनता दर्शन' में कई अन्य लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे, मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी।

मुख्यमंत्री ने उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज पर होने वाले अनुमानित खर्च के संबंध में फाइल तैयार कर सरकार को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने आश्वस्त किया, ''धन की कमी के कारण किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

'राहुल गांधी बनेंगे अगले प्रधानमंत्री', टीवीके का साथ नहीं मिला तो दोनों मंत्री देंगे इस्तीफा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मंत्री एस. राजेश कुमार ने कांग्रेस और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के बीच गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर टीवीके 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार स्वीकार नहीं करती है, तो कांग्रेस के दोनों मंत्री राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे देंगे।

राजेश कुमार ने रविवार को कन्याकुमारी में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि कांग्रेस 2029 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को ही प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर समर्थन देगी। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी देश के अगले प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस इस मुद्दे पर अपने रुख से समझौता नहीं करेगी। राजेश कुमार के साथ उच्च शिक्षा मंत्री पी. विश्वनाथन भी तमिलनाडु सरकार में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते हैं।

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ गठबंधन के सहयोगी टीवीके के कई मंत्री, विधायक और नेता मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करने की वकालत कर रहे हैं। इसी बीच राजेश कुमार का बयान कांग्रेस और टीवीके के बीच मतभेद बढ़ने का संकेत माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर गठबंधन सहयोगी राहुल गांधी की उम्मीदवारी का समर्थन नहीं करता है, तो वह और पी. विश्वनाथन अपने मंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं।

कश्मीर में आईएसआई का गुप्त नेटवर्क उजागर! एनक्रिप्टेड ऐप और वीपीएन का सहारा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकी समूहों द्वारा ऑनलाइन गेमिंग मंचों के दुरुपयोग का खुलासा करने के बाद आतंकियों और उनके आकाओं की एक नयी चाल का पता लगाया है। आतंकी अब गुप्त रूप से संवाद करने के लिए अश्लील सामग्री वाली वेबसाइट और विशेष एनक्रिप्टेड ऐप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन गुप्त माध्यमों का इस्तेमाल आतंकी संगठन और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई जम्मू-कश्मीर में अपने भर्ती किए गए लोगों तक निर्देश पहुंचाने के लिए कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इनका उद्देश्य पारंपरिक सोशल मीडिया मंचों पर सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचना है। अधिकारियों ने बताया कि इन अश्लील सामग्री वाली वेबसाइट पर वास्तविक समय में संवाद की सुविधा होती है। ये मंच उपयोगकर्ताओं को आसपास के लोगों से संपर्क या मुलाकात कराने के नाम पर संचालित होते हैं, जिनका इस्तेमाल आतंकी आका संदेश भेजने और गतिविधियों के समन्वय के लिए कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने कई तरह के विशेष डिजिटल उपकरणों को जांच के दायरे में रखा है। अधिकारियों के अनुसार, आतंकी आका डेटा को एनक्रिप्टेड नोड के जरिये भेजने और उपयोगकर्ताओं की पहचान छिपाने के लिए टोर आधारित मैसेजिंग ऐप्लिकेशन जैसे कोटेक्स और कोनियन का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि भारत में कोनियन के एपीके तक पहुंच पर प्रतिबंध हैं। एपीके फाइल (एंड्रॉयड पैकेज किट) वह फाइल प्रारूप है, जिसका इस्तेमाल एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम मोबाइल ऐप को वितरित और स्थापित करने के लिए करता है। इसके अलावा, वे गोपनीयता पर केंद्रित मंचों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जैसे फ्रांस आधारित एक ऐप, जो बिना सिम कार्ड या फोन नंबर के एंड-टू-एंड एनक्रिप्टेड संदेश भेजने की सुविधा देता है।

ड्राफ़्ट वोटर लिस्ट जारी, 1.45 करोड़ में से 47 .7 लाख Voters के नाम लिस्ट से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली चुनाव कार्यालय ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की है, जिसमें कुल 1.45 करोड़ वोटरों में से 47.7 लाख लोगों के नाम शामिल नहीं किए गए हैं। इन छूटे हुए मतदाताओं को 'अनुपस्थित, शिफ्टेड, मृत, डुप्लिकेट और अन्य' श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। वे 30 सितंबर तक फॉर्म 6 के ज़रिए ज़रूरी दस्तावेज़ों के साथ अपना नाम शामिल करवा सकते हैं, और अंतिम वोटर लिस्ट 4 नवंबर को जारी होगी। दिल्ली चुनाव कार्यालय ने सोमवार को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की। 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' (SIR) के तहत घर-घर जाकर की गई गिनती के बाद, शहर के कुल 1.45 करोड़ वोटरों में से 47.7 लाख लोगों के नाम इसमें शामिल नहीं किए गए। मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा कि जिन लोगों के नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं हैं, वे 30 सितंबर तक फॉर्म 6 के ज़रिए ज़रूरी दस्तावेज़ों के साथ दावा पेश करके अपना नाम शामिल करवा सकते हैं। फाइनल वोटर लिस्ट 4 नवंबर को जारी की जाएगी। चुनाव आयोग के संशोधित शेड्यूल के अनुसार, दावों और आपत्तियों की जांच की जाएगी और नोटिस जारी करने व उनके निपटारे की प्रक्रिया 29 अक्टूबर तक जारी रहेगी।

एसिड अटैक पर सुप्रीम कोर्ट सख्त : खुदरा दुकानों में तेजाब की बिक्री पर बेहद कड़े प्रतिबंध पर विचार, मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। तेजाब हमलों से जुड़े एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने खुदरा दुकानों में एसिड की बिक्री को बेहद सीमित करने, यहां तक कि पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की संभावना पर विचार किया। अदालत ने संबंधित प्राधिकरणों से इस मामले में जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि तेजाब हमले के पीड़ितों को पारंपरिक उपचार पद्धतियों से बचाने और इस संबंध में जागरूकता फैलाने में गैर-सरकारी संगठन (NGO) महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि सरकार की मौजूदा गाइडलाइंस पुरानी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हर बार कदम उठाने की बात करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती। याचिकाकर्ता ने बताया कि वह 17 साल पहले तेजाब हमले का शिकार हुए थे और आज भी नींद के लिए दवा लेते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे हमले का मानसिक और शारीरिक असर बेहद गंभीर होता है और इससे किसी व्यक्ति की पूरी जिंदगी बर्बाद हो सकती है। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि वह तीन अन्य पीड़ितों को जानते हैं, जिनमें एक 14 वर्षीय बच्चा भी शामिल है। याचिकाकर्ता ने कहा कि पीड़ितों के लिए सुप्रीम कोर्ट ही आखिरी उम्मीद है।

सीजेपी मार्च पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार : कहा– अधिकारियों के पास जाएं

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के 5 सितंबर के मार्च पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि ऐसी कोई वजह नहीं है कि जिससे अनुमान लगाया जा सके कि कोई अप्रिय घटना घटेगी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वे अपनी याचिका उनके द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति के समक्ष दाखिल करें, जो छात्रों के खिलाफ पुलिस हिंसा के आरोपों की जांच कर रही है। पीठ ने कहा कि इस मामले को भी अन्य लंबित याचिकाओं के साथ ही सूचीबद्ध करें, जिन पर 10 सितंबर को सुनवाई होगी।

यूपी पुलिस की बड़ी कार्रवाई! अंकित बालियान हत्याकांड के दो मुख्य आरोपी मुठभेड़ में ढेर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के DGP राजीव कृष्ण ने बताया कि हरियाणवी सिंगर और एक्टर अंकित बालियान की हत्या के पीछे गोगी गैंग से जुड़ा एक नेटवर्क था। 31 अगस्त को पुलिस ऑपरेशन के दौरान दो मुख्य संदिग्ध मारे गए। कृष्ण ने बताया कि शूटर्स की पहचान करने और बड़ी आपराधिक साजिश का पर्दाफाश करने के लिए कई स्पेशल टीमें जांच में लगाई गई थीं। उन्होंने कहा कि जांच से पता चला है कि इस हत्या के पीछे गोगी गैंग से जुड़ा एक नेटवर्क शामिल था। 26-27 अगस्त को राहुल उर्फ भोलू शाहपुरी से जुड़े एक इंस्टाग्राम अकाउंट के ज़रिए सोशल मीडिया पर हत्या की ज़िम्मेदारी ली गई थी, और चल रही जांच के तहत इस दावे की भी पड़ताल की जा रही है। शामली कोतवाली इलाके के लाला पटरी में जिम से निकलते समय चार हथियारबंद लोगों ने एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। कृष्णा ने बताया कि हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान शामली कोतवाली इलाके के लाला पटरी में एक जिम से बाहर आ रहे थे, तभी चार हथियारबंद अपराधियों ने उन पर गोली चलाई और उनकी हत्या कर दी। मृतक के पिता की शिकायत के आधार पर चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए, मेरठ ज़ोन के एडिशनल डायरेक्टर जनरल (ADG) ऑफ़ पुलिस, ADG (लॉ एंड ऑर्डर) और ADG (स्पेशल टास्क फ़ोर्स) की अगुवाई में कई टीमें बनाई गईं। जांच टीम में 11 सीनियर पुलिस अधिकारी शामिल थे, जिनमें सात एडिशनल सुपरिंटेंडेंट ऑफ़ पुलिस, चार डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ़ पुलिस और कई इंस्पेक्टर शामिल थे।

कौशांबी की पटाखा फैक्ट्री में धमाका से दहला मनौरी बाजार, पांच की मौत और 22 घायल

आस-पास के कई घर जमींदोज., कई लोग दबे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। मनौरी स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में सोमवार दोपहर आग लग गई। पटाखों के धमाके इतने शक्तिशाली थे कि आसपास के कई घर भी जमींदोज हो गए। कई लोगों के दबे होने की सूचना मिल रही है। पुलिस के साथ फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां वहां पहुंचीं और फायरकर्मी आग बुझाने में जुट गए। आग पूरी तरह से बुझने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी। फिलहाल पांच लोगों के मरने और 22 लोगों के घायल होने की सूचना है। घायलों को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल भेजा गया है। बताया जाता है कि दोपहर 12 बजे से एक घंटा तक विस्फोट हुआ। अचानक पटाखों में धमाके से आसपास के

ग्रामीण दहल उठे। थोड़ी ही देर में लोगों की भीड़ जुटने लगी। बताया जाता है कि जिस घर में पटाखे में आग लगी, पास ही बूंदी कारखाना में पांच और आटा चक्की में छह लोग मौजूद थे। धमाका काफी देर बाद तक होता रहा। वहीं बुलडोजर बुलाकर मलबे को साफ कराया जा रहा है। बाद में कौशांबी के डीएम और एसपी भी वहां पहुंचकर जायजा लिया। बताया गया है कि पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मनौरी में बस्ती से कुछ दूर पर एक मकान में पटाखा बनाया जाता था। मनौरी गांव निवासी आदिल की थी पटाखा फैक्ट्री उस मकान के ऊपर से ही बिजली के तार गुजरे हैं। सोमवार दोपहर अचानक उस मकान से धुआं उठने लगा। यह देख गांव वाले उस पर भागे तो एक-एक करके पटाखा फूटने लगा। पटाखे की आवाज से ग्रामीणों में खलबली मच गई। कुछ लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। खबर मिलते ही पूरामुफ्ती, पिपरी थाने की पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके के लिए निकल चुकी है। आशंका जताई जा रही है कि अगर फैक्ट्री में कोई काम कर रहा था तो उसे नुकसान पहुंचा होगा। एसीपी धूमनगंज रवि गुप्ता ने बताया कि टीम मौके पर पहुंच रही है। आग बुझने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। वहीं, कुछ साल पहले भरवारी में भी पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से तीन लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हुए थे।

रिमझिम बरसा पानी, खिल उठीं धान की फसलें

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। सावन माह के अंतिम सप्ताह से मौसम ने करवट ली है। क्षेत्र में रुक-रुककर हो रही रिमझिम बारिश से खेतों में खड़ी धान की फसलें लहलहा उठी हैं। बारिश की फुहारों ने जहां खेतों की प्यास बुझाई है, वहीं किसानों के चेहरों पर भी खुशहाली की उम्मीद दिखाई देने लगी है। किसानों का कहना है कि यदि मौसम इसी तरह मेहरबान रहा तो इस बार धान की अच्छी पैदावार होने की उम्मीद है।

देहली गांव निवासी किसान अनिल सिंह ने बताया कि बादर ऊपर बादर धावै, घाघ कहैं, पानी बरसावै। समय-समय पर हो रही बारिश धान की फसल के लिए बेहद लाभदायक साबित हो रही है। खेतों में पर्याप्त नमी होने से फसल तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस बार इंद्रदेव की कृपा बनी रही तो मेहनत का अच्छा फल मिलने की उम्मीद है। तिरहुत ग्रामसभा निवासी मृत्युंजय सिंह ने कहा कि पहिला पवन पुरुब से आवै, बरसै मेघ, अन्न बरसावै। और ऐंजर निवासी किसान रूपेश द्विवेदी ने खेती-किसानी में मौसम के महत्व को बताते हुए घाघ की कहावतों का जिक्र करते हुए कहा कि छिन पुरवैया, छिन पछियांव, छिन छिन बरसै, बहै न पाव। किसानों के बीच प्रचलित कहावत है "सावन बरसे झमाझम, भादो बरसे आधा, किसान कहे दोनों बरसें, तो हो खेती में फायदा। किसानों का मानना है कि धान की फसल के महत्वपूर्ण समय में पर्याप्त वर्षा मिलना उत्पादन के लिए शुभ संकेत है।

एसपी ने देर रात मॉडर्न थाना बंधुआकला का किया औचक निरीक्षण

सुलतानपुर। पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जायसवाल ने रविवार देर रात मॉडर्न थाना बंधुआकला का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने थाना परिसर, कार्यालय, मेस, बैरक और हवालात की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अपराध रजिस्टर समेत अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों का अवलोकन कर उनके रख-रखाव और अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। हवालात की सुरक्षा व साफ-सफाई व्यवस्था भी परखी गई। एसपी ने अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। थाना परिसर में स्वच्छता और अभिलेखों के उचित रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा। फरियादियों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनकर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश भी दिए।

युवाओं के सवालों के बीच दिखा देवमणि द्विवेदी का अलग अंदाज

आर्यावर्त संवाददाता

लम्भुआ/सुलतानपुर। राजनीति में किसी जनप्रतिनिधि की असली परीक्षा सिर्फ चुनावी मंच पर नहीं, बल्कि तब होती है जब वह युवाओं के बीच बैठकर उनके सवाल सुने और उन सवालों का जवाब देने का प्रयास करे। कुछ ऐसा ही दृश्य स्वामी विवेकानंद पीजी कॉलेज, गोपालपुर, मध्यांतर लम्भुआ के प्रांगण में आयोजित 'जेन-जी स्वाद' कार्यक्रम में देखने को मिला।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे पूर्व विधायक देवमणि द्विवेदी ने छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने अपनी जिज्ञासाएं और समस्याएं सामने रखीं, जिन पर देवमणि द्विवेदी ने संवाद के माध्यम से उनके समाधान की दिशा में चर्चा की। इस कार्यक्रम की खास बात सिर्फ यह नहीं रही कि देवमणि द्विवेदी मुख्य अतिथि थे। चर्चा का केंद्र यह भी रहा कि उन्होंने औपचारिक भाषण तक खुद को सीमित रखने के बजाय छात्र-छात्राओं के साथ संवाद को प्राथमिकता दी। आज की 'जेन-जी' पीढ़ी सवाल पूछती है, तर्क चाहती है और सीधे संवाद को महत्व देती है। ऐसे माहौल में किसी राजनीतिक व्यक्ति का युवाओं के बीच जाकर उनकी बात सुनना निश्चित रूप से अलग तरह की राजनीतिक शैली को सामने रखता है। यही वजह है कि कार्यक्रम को महज एक औपचारिक आयोजन के तौर पर देखना शायद पर्याप्त नहीं होगा। युवा क्या सोच रहे हैं, उनकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वे अपने भविष्य को लेकर किन सवालों से जूझ रहे हैं। इन मुद्दों पर संवाद राजनीति के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत देता है। कार्यक्रम के आयोजक एवं प्रबंधक प्रेमनाथ शुक्ल ने पूर्व विधायक देवमणि द्विवेदी का अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री विद्याधर तिवारी ने किया।

शुलभ शौचालय पर लटका ताला, स्वच्छ भारत मिशन को पलीता

जयसिंहपुर/सुल्तानपुर। स्वच्छ भारत मिशन की हकीकत ग्राम पंचायत बरौसा में देखने को मिल रही है। यहां लाखों की लागत से बना सामुदायिक सुलभ शौचालय हमेशा बंद रहता है, गेट पर ताला लटका रहता है। जिसके कारण ग्रामीणों, महिलाओं और राहगीरों को मजबूरन खुले में शौचालय जाने को मजबूर होना पड़ता है। शौचालय के अंदर गंदगी का अंबार है और बाहर झाड़-झंखाड़ उग आए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शौचालय की साफ-सफाई और मेंटेनेंस के लिए शासन से हर महीने आने वाला पैसा कागजों में खर्च दिखाकर 'प्रधान और सेक्रेटरी द्वारा हजम किया जा रहा है। सफाई कर्मी की ड्यूटी सिर्फ रजिस्टर में लगती है, मौके पर कोई नहीं आता। ग्रामीणों ने बीडीओ जयसिंहपुर और डीपीआरओ सुल्तानपुर से जांच कर सुलभ शौचालय को रोजाना खुलवाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

PNB की करेंसी चेस्ट में मिले 7 .40 करोड़ के जाली नोट, नकदी भी कम मिली ; 3 मैनेजरों सहित चार के खिलाफ सहारनपुर में मुकदमा

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। पंजाब नेशनल बैंक की करेंसी चेस्ट में ऑडिट के दौरान 7.40 करोड़ की जाली करंसी मिलने के बाद बैंकिंग व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घंटाघर स्थित सोफिया मार्केट की करेंसी चेस्ट में नोटों की जांच के दौरान 7.40 करोड़ रुपये की करेंसी जाली पाए जाने का मामला सामने आया है। इसी करेंसी चेस्ट से जुड़े एक अन्य मामले में मुख्यालय भेजी गई नकदी में भी 4.36 लाख रुपये की कमी मिली। बैंक की ओर से दोनों मामलों को लेकर सदर बाजार थाने में अलग-अलग मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।

नोडल अधिकारी अरुण कुमार चौबे की शिकायत पर जाली नोटों के मामले में मंडल कार्यालय के वरिष्ठ प्रबंधक रवि कुमार, करेंसी चेस्ट प्रबंधक सुशील शर्मा और हरियाणा के खेरा बाजार, जगाधरी स्थित करेंसी चेस्ट के प्रबंधक अमित कुमार को नामजद किया गया है। वहीं, कैश कम मिलने के मामले में हाउस कीपर विशाल कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है।

सबसे बड़ा सवाल इनके स्रोत को लेकर

करेंसी चेस्ट में इतनी बड़ी मात्रा में नकली नोट मिलने के बाद सबसे बड़ा सवाल इनके स्रोत को लेकर है। करेंसी चेस्ट में बैंक की अलग-अलग शाखाओं से नकदी आती है। ऐसे में पुलिस अब उस पूरी प्रक्रिया की पड़ताल कर रही है, जिसके तहत नोट संबंधित शाखाओं से यहां तक पहुंचे।

जांच अधिकारियों के सामने यह पता लगाने की चुनौती है कि 7.40 करोड़ रुपये की जाली करेंसी एक साथ जमा हुई या अलग-अलग समय में थोड़ी-थोड़ी करके चेस्ट तक पहुंची। इसके लिए बैंक से नकदी जमा कराने से संबंधित रिकॉर्ड मांगा जा रहा है।

एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि करेंसी चेस्ट के ऑडिट में नकली नोट मिलने और मुख्यालय भेजे गए कैश में कमी से जुड़े दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। दोनों में मुकदमा दर्ज किया गया है। कुल चार लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

गूंजा सनातन संस्कृति का शंखनाद, 'चिन्मय अमृत यात्रा' का भव्य स्वागत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। भगवद्गीता, वेदांत और भारतीय सनातन ज्ञान परंपरा का संदेश लेकर देशभर में भ्रमण कर रही 'चिन्मय अमृत यात्रा' का सुल्तानपुर में भव्य, श्रद्धापूर्ण और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। यात्रा के शहर में प्रवेश करते ही विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राष्ट्रवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं और सनातन प्रेमियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। पूरा वातावरण 'जय श्रीराम', 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के जयघोष से गुंजायमान रहा। दोपहर लगभग 1 बजे यात्रा के सुल्तानपुर पहुंचने पर गायत्री परिवार, रोटरी ट्रांसगोमती, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, घर सुल्तानपुर फाउंडेशन, अंकुरण फाउंडेशन, गौ रक्षा वाहिनी, पुरोहित समाज, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, मेडिकल स्टोर एसोसिएशन तथा गोमती मित्र मंडल सहित अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने विभिन्न स्थानों पर यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया।

स्वामी चिन्मयानंद मार्ग का भव्य लोकार्पण

यात्रा के सुल्तानपुर आगमन के पश्चात परम पूज्य स्वामी चिन्मयानंद के विग्रह एवं पवित्र पादुकाओं की दिव्य उपस्थिति में नवनिर्मित 'स्वामी चिन्मयानंद मार्ग' का भव्य उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर पूज्य स्वामी मित्रानंद जी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश, सुल्तानपुर भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. जे.पी. सिंह, डॉ. प्रेमलता अग्रवाल, डॉ. आशीष, डॉ. मनोज अग्रवाल, डॉ. के.एस. तिवारी, डॉ. विनोद, आर.पी. सिंह, डॉ. राजेंद्र कपूर, रूपेश सिंह, मदन सिंह, दिनकर सिंह, डॉ. पवन, गौ रक्षा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी सर्वेश कुमार सिंह, सरदार जिम्मी सिंह, कुंवर दिनकर सिंह, मुकेश कसौधन सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, धर्मप्रेमी एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

दिल्ली से वाराणसी जा रही वंदेभारत पर पथराव, कोच का शीशा टूटा ; सीसीटीवी से पुलिस कर रही जांच

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। दिल्ली से वाराणसी जा रही वंदेभारत एक्सप्रेस पर चंदारी स्टेशन के पास सोमवार सुबह पथराव हुआ। इससे एक कोच का शीशा चटक गया।

ट्रेन में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक आरोपित की पहचान हुई है। दूसरी ओर इस मामले में जांच के लिए टीम चंदारी स्टेशन पर सोमवार सुबह पहुंची है।

नई दिल्ली से वाराणसी जा रही वंदेभारत एक्सप्रेस रविवार सुबह चंदारी के पास पहुंची ही थी कि एक युवक ने ट्रेन पर पथराव कर दिया। पत्थर लगने से एक कोच का शीशा चटक गया।

इस पर ट्रेन रोक दी गई। रेलवे कंट्रोल को मैसेज भेजा गया, जिस पर जीआरपी मौके पर पहुंची और जांच की। इस मामले में उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के सीपीआरओ डॉ. शिवम शर्मा ने बताया कि मामले की जांच चल रही है। कानपुर सेंट्रल की टीम चंदारी पहुंचकर इस मामले की पड़ताल कर रही है।

नेपाल में बैंक का डेढ़ करोड़ नकद और 50 करोड़ का सोना सुरक्षित, पुलिस ने बढ़ाई निगरानी

आर्यावर्त संवाददाता

सिद्धार्थनगर। नेपाल में करीब आठ घंटे की लगातार कोशिश के बाद पुलिस ने एग्रीकल्चर डेवलपमेंट बैंक की त्रिशूली-ढुंगे शाखा से नकदी और सोना सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार, शाखा से करीब 1.5 करोड़ रुपये नकद और लगभग 50 करोड़ रुपये मूल्य का सोना बरामद कर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। इसके साथ बैंक के जरूरी दस्तावेज भी सुरक्षित किए गए। कार्रवाई के दौरान पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत की। घटना के बाद बैंक की संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है।

आपरेशन कवच के तहत थाना शोहरतगढ़ की कोटिया चौकी पर एसएसबी व भारत-नेपाल सीमावर्ती ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों के साथ बैठक हुई। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद और क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी ने सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों ने आपरेशन कवच के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में किसी भी संदिग्ध अथवा अवैध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दें। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा मजबूत करने में स्थानीय नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

बैठक में साइबर अपराध से बचाव को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। अनजान व्यक्ति से ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी या अन्य गोपनीय विवरण साझा नहीं करने की अपील की गई। इस दौरान कोटिया चौकी प्रभारी विजय सिंह, आरक्षी रामसेवक यादव एसएसबी निरीक्षक नीरज शर्मा आदि समेत अधिकारी-कर्मचारी व ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्य मौजूद रहे।

कानपुर में सड़कें क्यों धंस रही हैं? कहीं 18 फीट गड्ढा, तो कहीं दब गई पूरी रोड

>> जाजमऊ में सड़क धंसने से 18 फीट गहरा गड्ढा बना >> VIP रोड पर डेढ़ महीने में दूसरी बार सड़क धंसी >> बारिश और जलभराव से सड़क का बेस कमजोर हुआ

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर।कानपुर में लगातार बारिश के बाद सड़कें धंसने की घटनाएं तेजी से सामने आ रही हैं. कहीं सड़क के बीचोंबीच कई फीट गहरा गड्ढा बन गया, तो कहीं सड़क का किनारा मिट्टी के साथ नीचे चला गया. सबसे गंभीर मामला जाजमऊ-सर्किट हाउस रोड का है, जहां 26 अगस्त को सड़क धंसने से करीब 18 फीट गहरा और 3 मीटर चौड़ा गड्ढा बन गया. वहीं जाजमऊ की VIP रोड पर भी एक ही जगह डेढ़ महीने के अंदर दूसरी बार सड़क धंस गई. शहर और आसपास के इलाकों में सामने आई इन घटनाओं ने सड़क की मजबूती, ड्रेनेज और अंडरग्राउंड पाइपलाइन सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं. सरैया चौराहे के पास 26 अगस्त को करीब 5 फीट गहरा गड्ढा बन गया. इससे पहले 10 जुलाई को इसी जगह करीब

7 फीट गहरा गड्ढा बन चुका था. यानी मरम्मत के करीब डेढ़ महीने बाद सड़क दोबारा धंस गई.

पलिया बांसखेड़ा-पांडु नदी पुल

8 अगस्त को पांडु नदी पुल के पास सड़क का एक हिस्सा धंस गया. करीब 2 मीटर गहरा गड्ढा बनने के बाद पुलिस ने बैरिकेडिंग कराई. इसके बाद PWD ने मिट्टी भरकर कंक्रीट से सड़क की मरम्मत कराई.

ईशन नदी पुल, बिल्हौर

19 अगस्त को बारिश के दौरान ईशन नदी पुल के पास सड़क का किनारा धंस गया. लगातार बारिश के कारण किनारे की मिट्टी कटती रही, जिससे सड़क के और हिस्से के धंसने का खतरा बढ़ गया.

काशीराम अस्पताल के सामने

काशीराम अस्पताल के सामने भी बारिश के दौरान सड़क के बीच का हिस्सा धंसने और उखड़ने की समस्या सामने आई. यहां सड़क के नीचे पानी पहुंचने, ड्रेनेज या अंडरग्राउंड लाइन में लीकेज की संभावना की जांच जरूरी है.

चकेरी-कानपुर-लखनऊ हाईवे

तेज बारिश के बाद चकेरी इलाके में कानपुर-लखनऊ हाईवे की सर्विस लेन के आसपास मिट्टी धंसने और सड़क खराब होने की समस्या सामने आई. जलभराव और लगातार पानी के दबाव से सड़क की मजबूती प्रभावित हुई.

नौबस्ता-खाड़ेपुर

नौबस्ता और खाड़ेपुर में तेज बारिश के बाद लंबे समय तक जलभराव रहा. इसे सीधे सड़क धंसने की घटना के बजाय बारिश और खराब ड्रेनेज की वजह से सड़क पर बढ़े दबाव के तौर पर देखना ज्यादा सही होगा.

आखिर क्यों धंस रही हैं कानपुर की सड़कें?

अगस्त में कानपुर में कई दौर की तेज बारिश हुई. 5 अगस्त को ही तीन दिन में 167.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी. लगातार बारिश का पानी सड़क की ऊपरी लेयर के नीचे पहुंचने पर मिट्टी और सड़क का बेस कमजोर हो सकता है. इससे सड़क बैठने या अचानक धंसने की स्थिति बन सकती है.

ड्रेनेज सिस्टम पर दबाव और जलभराव

कई इलाकों में नाले और नालियां भरने या चोक होने से पानी लंबे समय तक सड़क पर जमा रहा. जब पानी की निकासी नहीं होती तो यह सड़क की लेयर के नीचे पहुंचकर बेस को कमजोर कर सकता है. इससे सड़क की भार सहने की क्षमता कम हो जाती है.

अंडरग्राउंड मिट्टी के कटाव से बन सकती है खाली जगह

सड़क के नीचे लगातार पानी जाने पर मिट्टी बह या बैठ सकती है. ऊपर सड़क की सतह कुछ समय तक ठीक दिखाई देती है, लेकिन नीचे खाली जगह बनने के बाद अचानक सड़क का बड़ा हिस्सा नीचे जा सकता है. जाजमऊ में बने 18 फीट गहरे गड्ढे के मामले में भी इस तरह की स्थिति की जांच जरूरी है.

पुरानी और कमजोर सड़क पर बारिश का ज्यादा असर

जहां सड़क पहले से टूटी या कमजोर है, वहां लगातार बारिश नुकसान को और बढ़ा देती है. विजयनगर-नमक फैक्ट्री चौराहे के बीच भी खराब सड़क और जलभराव की समस्या सामने आई है. ऐसे हिस्सों में पानी सड़क के अंदर जाने का खतरा ज्यादा रहता है.

सीवर और पानी की पाइपलाइन में लीकेज भी वजह हो सकती है

सड़क के नीचे बिछी सीवर या पानी की पाइपलाइन में लीकेज होने पर आसपास की मिट्टी धीरे-धीरे कट सकती है. इससे सड़क के नीचे खाली जगह बनती है और ऊपर का हिस्सा अचानक धंस सकता है. इसलिए जहां बारिश के बाद गहरे गड्ढे बन रहे हैं, वहां सड़क की क्वालिटी के साथ अंडरग्राउंड पाइपलाइन और सीवर नेटवर्क की भी जांच जरूरी है. कानपुर में सामने आई घटनाओं को सिर्फ बारिश का असर मानना पर्याप्त नहीं होगा. एक ही जगह बार-बार सड़क धंसने, नदी-पुलों के पास मिट्टी कटने और शहर के अलग-अलग हिस्सों में जलभराव को देखते हुए सड़क की क्वालिटी, ड्रेनेज सिस्टम और अंडरग्राउंड नेटवर्क तीनों की जांच जरूरी है.

हर चौथा व्यक्ति किसी न किसी एलर्जी से पीड़ित, नाक की एलर्जी वालों को अस्थमा का खतरा: डॉ सूर्य कान्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के कलाम सेंटर में रविवार को रेस्पिरेट्री मेडिसिन विभाग की ओर से एलर्जी समिति का आयोजन किया गया। इसमें देश के विभिन्न शहरों से आए एलर्जी रोग विशेषज्ञ, चेस्ट रोग विशेषज्ञ और ईएनटी विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम में एलर्जी और अस्थमा के बढ़ते मामलों, उनके निदान, उपचार और बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई।

कार्यक्रम के आयोजक डॉ. सूर्यकांत ने बताया कि देश में करीब हर चौथा व्यक्ति किसी न किसी रूप में एलर्जी से पीड़ित है। इनमें सबसे ज्यादा समस्या नाक की एलर्जी की देखने को मिलती है। नाक की एलर्जी से पीड़ित हर तीसरे मरीज को भविष्य में अस्थमा होने का खतरा रहता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में त्वचा संबंधी एलर्जी और फूड एलर्जी की समस्या अधिक देखने को मिल रही है।

डॉ. सूर्यकांत के मुताबिक बढ़ता वायु प्रदूषण, फास्ट फूड का बढ़ता चलन और बदलती जीवनशैली एलर्जी के बढ़ते मामलों के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने लोगों से खान-पान और जीवनशैली में बदलाव करने की अपील की।

समिति में पटना से आए एलर्जी विशेषज्ञ डॉ. गौतम मोदी, दिल्ली से नाक-कान-गला विशेषज्ञ डॉ. संजीव डांग, मुंबई से डॉ. शाश्वत मुखर्जी और डॉ. प्रिया पांडे विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए। इनके अलावा रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के डॉ. संतोष कुमार, डॉ. दर्शन बजाज, डॉ. ज्योति वाजपेई और डॉ. अंकित कुमार, लोहिया संस्थान के डॉ. अजय कुमार वर्मा, केजीएमयू ईएनटी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपम मिश्रा, डॉ. वीरेंद्र वर्मा तथा ईएनटी एसोसिएशन लखनऊ के अध्यक्ष डॉ. सुमित शर्मा भी मौजूद रहे।

नई एलर्जी जांच और इम्यूनोथेरेपी पर चर्चा

पटना से आए डॉ. गौतम मोदी ने एलर्जी के उपचार में इस्तेमाल होने वाले नए इंजेक्शन हिस्टाग्लोबिन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने एलर्जी टेस्टिंग और इम्यूनोथेरेपी के बारे में भी उपस्थित चिकित्सकों को बताया।

दिल्ली के डॉ. संजीव डांग ने कहा कि आजकल एक ही व्यक्ति में एक से अधिक तरह की एलर्जी पाई जा रही है। बच्चों में भी एलर्जी की समस्या तेजी से बढ़ रही है। मुंबई से आए डॉ. शाश्वत मुखर्जी और डॉ. प्रिया पांडे ने बताया कि एलर्जी की पहचान के लिए अब नई जांच उपलब्ध हैं। चिकित्सकों को जरूरत के अनुसार इनका उपयोग करना चाहिए।

फास्ट फूड की जगह पौष्टिक भोजन की सलाह

डॉ. सूर्यकांत ने एलर्जी से बचाव के लिए कई आसान टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को अंकल चिप्स की बजाय आंटी के चिप्स खाने चाहिए। फास्ट फूड की जगह घर का पौष्टिक भोजन लेना चाहिए। कोल्ड ड्रिंक की जगह नारियल पानी, नींबू पानी, सत्तू और छाछ जैसे भारतीय पेय पदार्थों का इस्तेमाल करना चाहिए। चॉकलेट और टॉफी की जगह गुड़, जबकि केक-पेस्ट्री की जगह फल और ड्राई फ्रूट्स खाने की सलाह दी। उन्होंने मोबाइल और कंप्यूटर का स्क्रीन टाइम कम करने तथा नियमित रूप से दौड़ लगाने की सलाह दी। साथ ही वायु प्रदूषण कम करने के लिए जन्मदिन या अन्य शुभ अवसरों पर पौधारोपण करने की अपील की।

कार्यक्रम के सहसंयोजक डॉ. संतोष कुमार ने बताया कि रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में एलर्जी टेस्टिंग की सुविधा उपलब्ध है और विभाग एलर्जी व अस्थमा के इलाज का उत्कृष्ट केंद्र है। डॉ. ज्योति वाजपेई ने बताया कि विभाग में उत्तर प्रदेश का पहला पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन सेंटर भी संचालित है। यहां एलर्जी और अस्थमा के मरीजों को योग, प्राणायाम और जल नेति सिखाई जाती है और यह सुविधा पूरी तरह निशुल्क है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अंकित कुमार और डॉ. अजय वर्मा ने सभी विशेषज्ञों और उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में 100 से अधिक चिकित्सक तथा चेस्ट और ईएनटी के जूनियर डॉक्टर मौजूद रहे।

विजिट माय स्टेट अभियान

जेन-जी बनेंगे कल्चरल एम्बेसडर, रील बनाकर सुनाएंगे अपने शहर की कहानी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। डिजिटल दुनिया में जेन-जी की पसंद और उनकी आवाज संस्कृति व यात्रा के नए रुझान तय कर रही है। इसी बदलते दौर को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के युवाओं को अपने-अपने शहरों की संस्कृति, विरासत और खासियतों का प्रतिनिधि बनाने की पहल की है। विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश अभियान के तहत पर्यटन विभाग ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे अपने शहर की अनकही कहानियों, स्थानीय संस्कृति और खास पहचान को अपनी आवाज में महज 60 सेकंड की रील के जरिए दुनिया के सामने लाएं।

शहर के विरासत से जुड़ी अनकही कहानियां हों या स्थानीय व्यंजन का स्वाद, सदियों पुरानी परंपराएं हों या फिर पर्यटकों की नजरों से अब तक दूर रहे अल्पज्ञात स्थल, 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान के जरिए प्रदेश को उन लोगों की नजर से दिखाने की तैयारी है, जो अपने शहर और उसकी पहचान को सबसे करीब से जानते हैं। स्थानीय निवासी खुद कैमरे के सामने आकर अपने शहर के विशेष अनुभव और विशेषताओं की कहानी के रूप में साझा कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य किसी स्थान की पहचान को केवल तस्वीरों और सूचनाओं तक सीमित न रखकर वहां के लोगों की आवाज और अनुभवों के जरिए उसकी असली कहानी व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाना है।

युवाओं के बीच पर्यटन स्थलों को खोजने और जानने के बदलते तरीकों को देखते हुए यूपी पर्यटन ने इस अभियान को रील्स के माध्यम से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। वर्तमान समय में यात्रा की योजना बनाने से पहले युवा छोटे वीडियो, लोगों के अनुभवों और कंटेंट क्रिएटर्स की राय को तेजी से महत्व दे रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर साझा होने वाले ऐसे अनुभव न सिर्फ लोकप्रिय पर्यटन स्थलों को विशिष्ट पहचान दे रहे हैं, बल्कि अल्पज्ञात स्थलों को भी व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचा रहे हैं। 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान का उद्देश्य इसी डिजिटल रुचि को प्रदेश के पर्यटन से जोड़ते हुए नया आयाम देना है।

युवा बनेंगे अपने शहरों के सांस्कृतिक दूत

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान केवल उसके प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक सीमित नहीं है। प्रदेश के हर जिले, शहर और गांव की अपनी अलग कहानी और पहचान है। यहां की स्थानीय खान-पान की परंपराएं, हस्तशिल्प, त्योहार, रीति-रिवाज, लोग और उनसे जुड़ी कहानियां उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि 'विजिट माय स्टेट' अभियान के जरिए प्रदेश की जेन-जी सहित अन्य युवाओं को अपने-अपने शहरों का सांस्कृतिक दूत बनाने की पहल की जा रही है। युवा अपनी आवाज और शब्दों में अपने शहर की खासियतों को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेंगे, जिससे आगंतुकों को उत्तर प्रदेश को अधिक रोचक और नए नजरिए से जानने का अवसर मिलेगा।'

60 सेकंड में सुनाएं अपने शहर की कहानी

अभियान में भाग लेने की प्रक्रिया को भी युवाओं के लिए बेहद सरल रखा गया है। प्रतिभागियों को अपने शहर की खास पहचान और उसकी कहानी अपनी आवाज में अधिकतम 60 सेकंड की रील के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी। वीडियो में प्रतिभागी का स्वयं कैमरे के सामने आना जरूरी होगा, जिसमें उनका चेहरा स्पष्ट दिखाई दे और आवाज साफ सुनाई दे। खास बात यह है कि शहर की कहानी किसी तय स्क्रिप्ट के बजाय युवा अपने शब्दों और अपने अंदाज में सुनाएंगे। रील की शूटिंग खुले स्थान पर की जाएगी, जहां पृष्ठभूमि में शहर का कोई प्रमुख पर्यटन स्थल अथवा उसकी पहचान से जुड़ा खास स्थान नजर आए। प्रतिभागी हिंदी या अंग्रेजी, किसी भी भाषा में अपनी रील तैयार कर सकते हैं।

विरोधियों के चुनावी रेवड़ियों से रहें सावधान, जेन जी का किया समर्थन : मायावती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बसपा सुप्रीमो मायावती ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सोमवार को पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में प्रदेश के सभी राज्य स्तरीय पदाधिकारी और सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्ष शामिल हुए। इसमें दिवंगत विधायक उमाशंकर सिंह के बेटे युकेश भी उपस्थित रहे। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठन की प्रगति की समीक्षा की गई।

मायावती ने पार्टी नेताओं को चुनावी तैयारियां और तेज करने के निर्देश दिए। कहा कि बदलते राजनीतिक हालात को देखते हुए संगठन को और प्रभावी बनाया जाए, ताकि विरोधियों के साम-दाम, दंड और भेद जैसे हथकंडों का मजबूती से सामना किया जा सके।

उन्होंने दावा किया कि बसपा उत्तर प्रदेश में पांचवीं बार ऐसी सरकार बनाने के लिए काम करेगी, जो कानून के जरिए कानून का बेहतर राज और 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' के उद्देश्य को पूरा करे।

चुनावी वादों और घोषणाओं को लेकर किया आगाह

मायावती ने कहा कि चुनाव से पहले महिलाओं समेत विभिन्न वर्गों को निजी लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं, लुभावने वादों और घोषणाओं के जरिये चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और जनता को ऐसे वादों से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद सरकार बनने पर वादाखिलाफी की शिकायतें सामने आती हैं। ऐसे में जनता को विरोधी दलों के छलावे और विश्वासघात से बचते हुए अपने विवेक से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष होकर मतदान करना चाहिए।

कांशीराम की पुण्यतिथि पर भव्य कार्यक्रम की तैयारी

बैठक में बसपा संस्थापक एवं जन्मदाता मान्यवर कांशीराम की 09 अक्तूबर को होने वाली पुण्यतिथि के कार्यक्रम की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। निर्देश दिया कि इस वर्ष कार्यक्रम लखनऊ में वीआईपी रोड स्थित 'बौद्ध स्मृति उपवन' के सामने विकसित किए गए भव्य 'मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल' में आयोजित किया जाएगा। बसपा की ओर से जारी बयान के अनुसार, कार्यक्रम में पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत प्रदेशभर से लोग शामिल होंगे और कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। पार्टी ने इस कार्यक्रम को 'मा. कांशीराम जी का मिशन अधूरा, बीएसपी करेगी पूरा' और 'मा. बहनजी करेंगी पूरा' जैसे संकल्पों के साथ आयोजित करने की बात कही है।

ऑटो सवार महिला से पर्स छीनने वाला आरोपी गिरफ्तार, 8500 रुपये खाते में डलवाए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आलमबाग थाना पुलिस ने ऑटो रिक्शा से अपने घर जा रही महिला से स्कूटी सवार होकर पर्स छीनने की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर छीना गया गुलाबी रंग का पर्स, तीन एटीएम कार्ड, छोटा पर्स, पेन ड्राइव सहित अन्य सामान बरामद किया है। घटना में प्रयुक्त काली स्कूटी को भी पुलिस ने कब्जे में लेकर मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया है। आरोपी द्वारा छीने गए पर्स में रखे 8500 रुपये अपने बैंक खाते में डलवाए जाने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने उक्त धनराशि को होल्ड करा दिया है।पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त 2026 को गीता मल्होत्रा ने थाना आलमबाग में सूचना दी थी कि वह ऑटो रिक्शा से अपने कार्यालय से घर जा रही थीं। इसी दौरान जदुनाथ चौराहा से जेल चौराहा के बीच काले रंग की स्कूटी सवार एक अज्ञात युवक ने ऑटो के बायीं ओर से झपट्टा मारकर उनका गुलाबी रंग का पर्स छीन लिया। पर्स छीनने के बाद आरोपी यू-टर्न लेकर गलत दिशा से जदुनाथ चौराहे की ओर फरार हो गया।महिला के पर्स में नकदी, एटीएम कार्ड, पेन ड्राइव, छोटा पर्स, चाबियां सहित अन्य सामान रखा हुआ था। मामले की सूचना मिलने के बाद थाना आलमबाग में मुकदमा अपराध संख्या 122/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 304(2) में मुकदमा दर्ज किया गया।घटना के अनावरण के लिए आलमबाग पुलिस टीम ने लगातार पतारसी-सुरागरसी करते हुए घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा अन्य माध्यमों से भी जानकारी जुटाई। पुलिस को इस दौरान महत्वपूर्ण सुराग मिले और आरोपी की पहचान के प्रयास तेज किए गए।इसी क्रम में 30 अगस्त 2026 की रात करीब 11:15 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आयुष्मान प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की उम्र करीब 20 वर्ष है और वह तकिया चांद अली शाह, ऐशबाग, राजेन्द्र नगर, थाना बाजारखाला, लखनऊ का निवासी है।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने 29 अगस्त को ऑटो में बैठी महिला से पर्स छीनने की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि छीने गए पर्स में रखे 8500 रुपये उसने अपने बैंक खाते में डलवा दिए थे। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर कैंट क्षेत्र में रेलवे लाइन के किनारे से छीना गया गुलाबी रंग का पर्स बरामद कराया।

इटौंजा पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

लखनऊ। थाना इटौंजा पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानतीय वारंट के अनुपालन में दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को मुखबिर की सूचना पर उनके घरों से गिरफ्तार किया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर दोनों को संबंधित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।पुलिस के अनुसार, न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय, जनपद लखनऊ द्वारा जारी गैर जमानतीय वारंट के संबंध में वाद संख्या 330832/10, अभियोग संख्या 81/07, धारा 325, 324, 504, 323 और 506 भारतीय दंड संहिता, थाना इटौंजा, लखनऊ से संबंधित अभियुक्त जावेद पुत्र स्वर्गीय अब्दुल सद्दीक के विरुद्ध गिरफ्तारी अधिपत्र जारी किया गया था। जावेद ग्राम महिंगवा, थाना इटौंजा, लखनऊ का निवासी है और वर्तमान में यह क्षेत्र थाना महिंगवा के अंतर्गत आता है।

अंकित बालियान हत्याकांड : ओपी राजभर का अखिलेश पर तंज, बोले- जिस पर राजनीति कर रहे थे, उसके हत्यारे नर्क पहुंच गए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में अंकित बालियान हत्याकांड को लेकर सियासत तेज हो गई है। सुभासपा अध्यक्ष ओपी राजभर ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर तंज कसा है। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि आप जिस पर राजनीति कर रहे थे। अब उसके हत्यारे नर्क में पहुंच गए हैं।

आगे लिखा कि किसी बेटे की लाश पर जाट लिखकर राजनीति करना संवेदना नहीं, सौदागरी है। हत्या जैसे गंभीर मामले को जातीय राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिए। हत्या मानवता के खिलाफ अपराध है, किसी गोत्र की जागीर नहीं।

ओपी राजभर ने कहा कि सपा मुखिया को जाट तब याद आया, जब चुनाव आने वाला है। जनता सब देख रही है। जाति की राजनीति भी और पुलिस के कानून व्यवस्था के राज को भी। दरअसल, अंकित बालियान की हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को मुठभेड़ में मार गिराया है।

संक्षेप

न्यायालय से जारी गिरफ्तारी अधिपत्र के अनुपालन में बीकेटी पुलिस ने वारंटी रमेश को किया गिरफ्तार

लखनऊ। थाना बीकेटी पुलिस ने न्यायालय से जारी गिरफ्तारी अधिपत्र के अनुपालन में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक वांछित वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।पुलिस के अनुसार, न्यायालय से जारी गिरफ्तारी अधिपत्र के अनुपालन में थाना बीकेटी पुलिस टीम द्वारा वारंटी अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस टीम ने 31 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 12:05 बजे रमेश पुत्र रामपाल, उम्र करीब 40 वर्ष, निवासी ग्राम बराखेमपुर, थाना बीकेटी, कमिश्नरेट लखनऊ को उसके घर के बाहर से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार अभियुक्त रमेश वाद संख्या 1442/2020, अभियोग संख्या 677/2018, धारा 138(1)बी विद्युत अधिनियम, थाना बीकेटी, लखनऊ से संबंधित मामले में न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी अधिपत्र के आधार पर वांछित था। पुलिस के अनुसार अभियुक्त खेती और मजदूरी का कार्य करता है।

सर्वांगीण गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य के लिए लखनऊ रेड क्रॉस सोसाइटी सम्मानित

लखनऊ। राजभवन में आयोजित भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की वार्षिक आमसभा में लखनऊ रेड क्रॉस सोसाइटी को वर्ष 2025-26 में सर्वांगीण गतिविधियों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। लखनऊ रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता और आपदा प्रबंधन अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह ने सम्मान स्वरूप प्रमाण पत्र प्राप्त किया।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल के साथ उपमुख्यमंत्री एवं सभापति ब्रजेश पाठक, उपसभापति अमर नाथ मिश्र, सचिव रामानंद कटियार, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी भारत, नई दिल्ली की संयुक्त सचिव बांसुरी सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए रेड क्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।लखनऊ रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव अमर नाथ मिश्र ने बताया कि वर्ष 2025-26 के दौरान संस्था की लखनऊ इकाई ने मानव सेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाई। संस्था की ओर से जरूरतमंद लोगों की सहायता, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और दिव्यांगजनों तथा गंभीर रूप से बीमार मरीजों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण गतिविधियां संचालित की गईं।उन्होंने बताया कि इस अवधि में लखनऊ रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से 297 यूनिट रक्तदान कराया गया। इसके अलावा क्षय रोगियों को 486 पोषण पोटली उपलब्ध कराई गईं, जिससे जरूरतमंद मरीजों को पोषण संबंधी सहायता मिल सके।

नहर किनारे सड़क पर मिला करीब 30 वर्षीय अज्ञात महिला का शव, पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी

लखनऊ। नहर किनारे सड़क पर एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना सोमवार सुबह करीब 8 बजे स्थानीय पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी।पुलिस के अनुसार, नहर किनारे सड़क पर शव पड़े होने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर डीआरएम पुलिया के पास सड़क किनारे करीब 30 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिला। महिला की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों को तत्काल सूचना दी गई। अपर पुलिस उपायुक्त मध्य सहित अन्य उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से घटना के संबंध में जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।पुलिस ने घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया। फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम मौके पर पहुंचकर घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य संकलित करने की कार्रवाई कर रही है। पुलिस द्वारा शव की पहचान कराने के लिए आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाने के साथ ही अन्य आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं।

गौशालाओं की व्यवस्थाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, 10 सितंबर तक मांगी जाएगी विस्तृत रिपोर्ट : धर्मपाल सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में गोवंश संरक्षण के साथ नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, बधियाकरण और संचारी रोगों की रोकथाम के कार्यों में तेजी लाई जाए। इन सभी कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि पशुपालकों को स्वस्थ पशुधन उपलब्ध हो, दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हो और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती मिले। उन्होंने निर्देश दिए कि 10 सितंबर तक प्रदेश की गौशालाओं में उपलब्ध सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत स्थिति रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय को भेजी जाए।धर्मपाल सिंह सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गौशालाओं में संरक्षित गोवंश के लिए चारा, पानी, साफ-सफाई, छाया, उपचार, सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया जाए।गौशालाओं के प्रबंधन और चारा-भूसा संबंधी प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पशुधन मंत्री ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक मंडल में अपर निदेशक स्तर के अधिकारी गौशालाओं का गहन निरीक्षण करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि निरीक्षण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर गौशालाओं की व्यवस्थाओं को देखें और वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त करें।उन्होंने निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान हरा चारा, भूसा, स्वच्छ पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, गोवंश के बैठने का स्थान, चरही, साफ-सफाई, स्वास्थ्य और सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाओं की जांच की जाए। इन व्यवस्थाओं की फोटो भी ली जाए और विस्तृत रिपोर्ट मुख्यालय को उपलब्ध कराई जाए। जहां कहीं भी कमी पाई जाए, उसे तत्काल दूर कराया जाए तथा बाद में भी उसकी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।पशुधन मंत्री ने कहा कि गोवंश संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और गौशालाओं की व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि गौशालाओं में संरक्षित गोवंश को पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण चारा-पानी, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षित वातावरण मिले।उन्होंने नस्ल सुधार और कृत्रिम गर्भाधान के कार्यों को भी प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके लिए गांव-गांव तक व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा पशुपालकों को इन सुविधाओं के लाभ और उपयोगिता के संबंध में जागरूक करने पर जोर दिया गया। संचारी रोगों की रोकथाम के लिए भी प्रभावी निगरानी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में दुग्ध विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए धर्मपाल सिंह ने प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और पशुपालकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुग्ध समितियों को अधिक सक्रिय बनाया जाए तथा दुग्ध उत्पादकों को समय से राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे तकनीकी सहयोग और आवश्यक सुविधाएं मिलें।उन्होंने दुग्ध संग्रहण एवं विपणन की व्यवस्थाओं को और मजबूत करने तथा विभागीय योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों और पशुपालकों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

महिगवां में 25 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या, ट्रामा सेंटर में चिकित्सकों ने मृत घोषित किया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के महिगवां थाना क्षेत्र में देर रात एक 25 वर्षीय युवक पर अज्ञात व्यक्ति ने चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे केजीएमयू के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, सोमवार देर रात करीब 1:45 बजे आपातकालीन सेवा 112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि थाना महिगवां क्षेत्र के ग्राम गनेशपुर, ग्राम पंचायत परसहिया में एक युवक को अज्ञात व्यक्ति ने चाकू से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। सूचना मिलते ही 112 पुलिस तथा थाना महिगवां पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची।

राजधर्म में से धर्म निकल गया बचा सिर्फ राज

भारतीय जनता पार्टी अपने को पार्टी विद डिफरेंस कहती थी। पहले उसकी वेबसाइट खोलने पर यह लाइन लिखी होती थी। अब इस लाइन को भी हटा दिया गया है। अब वेबसाइट खोलने पर पहले पेज पर लिखा होता है, वेलकम टू द वर्ल्ड्स लार्जेस्ट पोलिटिकल पार्टी। याद करें 1980 में भाजपा को क्या बनाया गया था। छह अप्रैल 1980 को पार्टी की स्थापना के दिन तब के बॉम्बे में पहले अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा था, 'हम संघ के संस्कारों से निकले स्वंयसेवक हैं और हमारी पार्टी कोई दुकान नहीं है, जिसमें कोई भी बेधड़क चला आए। जो व्यक्ति संघ की शाखाओं से निकला हो और दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद को अपना मूल मंत्र मानता हो, वही हमारी पार्टी में रह सकता है। भाजपा पार्टी नहीं एक विचार है इसलिए इसके दरवाजे सबके लिए नहीं खुल सकते। आज हमने जिस भारतीय जनता पार्टी को जन्म दिया है, इस पार्टी के सभी नेता अपने चाल, चेहरे और चरित्र से पहचाने जाएंगे।

अटल बिहारी वाजपेयी के भाषण का यह अंश क्या अर्थ लिए हुए है? साफ है 1980 में जो भाजपा बनी थी वह जिस विचार, संकल्प पर बनी थी, उसका आज की, 2026 की भाजपा का कोई लेना देना नहीं है। वाजपेयी और दीनदयाल उपाध्याय की चर्चा जरूर होती है लेकिन उनके विचारों का सम्मान नहीं होता है। अगर भाजपा पदाधिकारियों की नई टीम को ही देखें तो दिखाई देगा कि कितने ही लोग, जिनका संघ या भाजपा की विचारधारा से कोई संबंध नहीं है और एक समय भाजपा व संघ के विरोधी रहे हैं वे बड़े बड़े पदों पर हैं। उपाध्यक्षों में कम से कम तीन नेता ऐसे हैं, जो पहले भाजपा विरोधी पार्टियों में रहे हैं। बैजयंत जय पांडा, डी पुरंदेश्वरी और मनप्रीत सिंह बादल दूसरी पार्टियों से आए हैं। सचिवों में संदीप पाठक, अनिल एंटनी और रोहन गुप्ता दूसरी पार्टियों से आए हैं।

ऐसा नहीं है कि दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने की होड़ में भाजपा सिर्फ बाहरी नेताओं को संगठन में भर रही है। वह ऐसे नेताओं को भी अपनी सरकार और संगठन का हिस्सा बना रही है, जिनके ऊपर खुद भाजपा के नेताओं ने गंभीर आरोप लगाए थे। जिन नेताओं के ऊपर भाजपा ने भ्रष्टाचार और देशद्रोह तक के आरोप लगाए थे उनको भी पार्टी में लेने या उनसे भी गठजोड़ करने में मोदी-शाह की भाजपा ने संकोच नहीं किया। भाजपा के नेता मुफ्ती मोहम्मद सईद और महबूबा मुफ्ती पर आतंकवादियों से मिले होने के आरोप लगाते थे। लेकिन दोनों को समर्थन देकर भाजपा ने मुख्यमंत्री बनाया। ऐसे ही हिमंत बिस्वा सरमा से लेकर शुभेंदु अधिकारी तक कई नेताओं के ऊपर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए और उन्हे फिर अपनी पार्टी में लाकर मुख्यमंत्री बनाया। अजित पवार को जेल भेजने की कसमें भाजपा के शीर्ष नेता खाते थे और उनको अपने गठबंधन में लाकर उप मुख्यमंत्री बनाया गया। ऐसी अनगिनत मिसाले हैं।

असल में भाजपा ने अपना चाल, चेहरा और चरित्र पूरी तरह से बदल दिया है। उसने विचार की जगह सत्ता को राजनीति का साध्य बना दिया। इसमें तमाम किस्म के समझौते किए। लेकिन ऐसा नहीं है कि उससे भाजपा का संगठन मजबूत हो गया। भाजपा सरकार में जरूर है लेकिन संगठन की ताकत खोखली हो चुकी है। सांगठनिक क्षमता लगभग समाप्त है और संगठन को मजबूती देने के लिए जिस नैतिक बल व आचरण की जरुरत होती है वह पूरी तरह से खत्म है। सरकार जरूर है लेकिन वहां राजयोग में से योग, राजधर्म में से धर्म निकल गया है और बचा सिर्फ राज है।

भारत के हाथ आया जैवलिन हथियार, अब दुश्मनों के टैंकों की खैर नहीं! अमेरिका से हुआ बड़ा रक्षा सौदा

भारत के लिए यह जरूरत अचानक पैदा नहीं हुई है। भारतीय सेना करीब 2009 से ही आधुनिक तीसरी पीढ़ी की anti-tank guided missile प्रणाली की तलाश में रही है।

नीरज कुमार दुबे

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग अब सिर्फ हथियार खरीदने तक सीमित नहीं रह गया है। भारतीय सेना द्वारा अमेरिकी Javelin एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम की खरीद के लिए Letter of Offer and Acceptance (LOA) पर हस्ताक्षर इस बदलते रिश्ते का एक महत्वपूर्ण संकेत है। अमेरिकी दूतावास ने इसे भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को अधिक गहरा, सक्षम और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाने वाला कदम बताया है। खास बात यह है कि इस समझौते के साथ भविष्य में दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच सह-उत्पादन यानी co-production की संभावनाओं का रास्ता भी खुला है।

जैवलिन की खासियत केवल यह नहीं है कि वह एक आधुनिक एंटी-टैंक मिसाइल है। यह एक man-portable, fire-and-forget प्रणाली है, यानी सैनिक मिसाइल दागने के बाद लक्ष्य पर लगातार नजर बनाए रखने के लिए उसी स्थान पर मौजूद रहने को मजबूर नहीं होता। यही क्षमता युद्धक्षेत्र में सैनिकों की survivability बढ़ाती है। अमेरिकी दूतावास के मुताबिक Javelin भारी बख्तरबंद वाहनों के अलावा कई दूसरे battle-field targets को भी निशाना बना सकती है और अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों में इस्तेमाल की जा सकती है। तेज engagement और उसके बाद तुरंत position बदलने की क्षमता इसे infantry के लिए खास तौर पर उपयोगी बनाती है।

भारत के लिए यह जरूरत अचानक पैदा नहीं हुई है। भारतीय सेना करीब 2009 से ही आधुनिक तीसरी पीढ़ी की anti-tank guided missile प्रणाली की तलाश में रही है। जरूरत ऐसी मिसाइल की थी जो हल्की हो, सटीक हो और fire-and-forget क्षमता से लैस हो, ताकि पुरानी wire-guided प्रणालियों की सीमाओं से बाहर निकला जा सके। लेकिन तकनीक हस्तांतरण, लागत, खरीद प्रक्रिया और बाद में स्वदेशी विकास पर जोर जैसी वजहों से आधुनिक ATGM की तलाश लंबे समय तक खिंचती रही।

यही वजह है कि जैवलिन का मौजूदा सौदा केवल एक और विदेशी हथियार खरीद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह भारतीय सेना की

तत्काल operational जरूरत और दीर्घकालिक रक्षा औद्योगिक रणनीति के बीच एक पुल बन सकता है। अमेरिकी दूतावास ने साफ तौर पर कहा है कि LOA पर हस्ताक्षर के बाद भारत Javelin system का ग्राहक बन गया है और यह समझौता दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच भविष्य के सहयोग के लिए दरवाजा खोलता है। यानी असली रणनीतिक महत्व मिसाइलों की संख्या से कहीं आगे है।

देखा जाये तो इस सौदे का सामरिक महत्व भी बेहद स्पष्ट है। भारत को ऐसे युद्धक्षेत्र में अपनी infantry की anti-armour क्षमता मजबूत करनी है जहां बख्तरबंद वाहनों के खिलाफ तेजी से प्रतिक्रिया और सटीक प्रहार महत्वपूर्ण हो जाते हैं। Javelin की portability का अर्थ है कि इसे अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिक अपेक्षाकृत लचीले ढंग से इस्तेमाल कर सकते हैं। Fire-and-forget क्षमता सैनिक को launch के बाद तुरंत reposition करने की सुविधा देती है। ऐसे में missile केवल दुश्मन के armour को निशाना बनाने का साधन नहीं रहती, बल्कि छोटे infantry units की tactical flexibility बढ़ाने वाला हथियार बन जाती है।

लेकिन इससे भी बड़ा सवाल भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों की दिशा का है। अमेरिकी राजदूत Sergio Gor ने कहा है कि यह समझौता अमेरिकी समर्थन की गहराई को दिखाता है और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा करता है। वॉशिंगटन की नजर में भारत केवल हथियारों का खरीदार नहीं, बल्कि भविष्य के defence industrial cooperation का साझेदार भी बन सकता है। अमेरिकी दूतावास ने दोनों देशों के defence industrial bases को मजबूत करने की संभावना पर विशेष जोर दिया है।

देखा जाये तो यहीं से इस सौदे का रणनीतिक महत्व बढ़ जाता है। भारत एक ओर अपनी सैन्य क्षमता को तेजी से आधुनिक बनाना चाहता है, वहीं दूसरी ओर रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में यदि Javelin के क्षेत्र में co-production की संभावना वास्तविक औद्योगिक साझेदारी में बदलती है, तो भारत को केवल तैयार हथियार हासिल करने की बजाय अमेरिकी defence technology और manufacturing ecosystem के साथ अधिक गहरा जुड़ाव मिल सकता है। यह भारत के लिए लंबी अवधि में अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

हालांकि एक बात अभी साफ नहीं है कि भारत कितने जैवलिन systems खरीद रहा है और इस खरीद की कुल कीमत कितनी है। अमेरिकी दूतावास और रक्षा मंत्रालय ने इन विवरणों को सार्वजनिक नहीं किया है। इसलिए इस सौदे को तत्काल बड़े पैमाने की anti-tank क्षमता में बदलाव मानना जल्दबाजी होगी। फिलहाल इसकी सबसे बड़ी अहमियत यह है कि भारत ने Javelin को अपने सैन्य विकल्पों में शामिल कर लिया है और साथ ही अमेरिका के साथ रक्षा औद्योगिक सहयोग का एक और दरवाजा खोल दिया है।

बहरहाल, जैवलिन सौदे का संदेश दो स्तरों पर है। युद्धक्षेत्र के लिए भारत अपनी infantry को ज्यादा सटीक, मोबाइल और survivable anti-armour क्षमता देना चाहता है; और रणनीतिक स्तर पर वॉशिंगटन के साथ रक्षा संबंध को खरीददार-विक्रेता के रिश्ते से आगे ले जाना चाहता है। अगर co-production की बात जमीन पर उतरती है, तो यही सौदा आने वाले वर्षों में भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी के अगले चरण की शुरुआत साबित हो सकता है।

व्यंग्य

ऊर्जा सुरक्षा नीति की कठिन परीक्षा

चीन अमेरिका से सौदेबाजी करने में अपने को सक्षम साबित कर चुका है। इसलिए ध्यान इस पर है कि भारत इस चुनौती से कैसे उबरता है, जो अपनी जरूरत का लगभग 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा नीति की जल्द ही कठिन परीक्षा होगी। अमेरिका के नए 100 प्रतिशत टैरिफ की तलवार के मद्देनजर क्या भारत रूस से रियायती तेल को छोड़कर वैकल्पिक स्रोतों की ओर बढ़ेगा? या कूटनीतिक संतुलन साधते हुए मौजूदा आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने की कोशिश करेगा? पहले विकल्प के साथ रूस से पारंपरिक रिश्तों में पेच खड़ा होने और देश की छवि खराब होने का जोखिम है। जबकि दूसरा विकल्प अपनाने का मतलब अमेरिका से संबंधों पर लगाए गए बड़े दांव पर पुनर्विचार करना होगा। दूसरे विकल्प से फ़ौरी नुकसान संभावित हैं, लेकिन इससे दीर्घकाल में स्वायत्त विदेश नीति को विकसित करने की संभावना भी बन सकती है।

गौरतलब है, अमेरिकी सीनेट ने लिंडसे ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट 2026 पारित कर दिया है। यह जल्द ही प्रतिनिधि सभा से भी पारित हो जाएगा। इसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूसी तेल और गैस के पांच सबसे बड़े आयातकों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा। समझा गया है कि इस बिल के निशाने पर मुख्यतः भारत और चीन हैं। मगर चीन अमेरिका से सौदेबाजी करने में अपने को सक्षम साबित कर चुका है। इसलिए ध्यान इस पर टिका है कि भारत इस चुनौती से कैसे उबरता है। भारत कच्चे तेल की कुल जरूरत का लगभग 90 फीसदी हिस्सा आयात करता है। इसमें रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी तकरीबन 48 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। अमेरिका का मकसद विश्व बाजार में रूसी तेल की पहुंच रोकना है, जिसका एक असर कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल के रूप में देखने को मिलेगा।

ईरान युद्ध के कारण तेल पहले से महंगा है। अप्रैल-जून तिमाही में भारत का कच्चे तेल का आयात बिल पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 60 फीसदी बढ़कर लगभग 49.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। नया प्रतिबंध लागू होने पर भारत को पश्चिम एशियाई तेल की ओर रुख करना पड़ सकता है या फिर उसे अमेरिका या वेनेजुएला से आयात बढ़ाना होगा, जो काफी महंगा साबित होगा। इसीलिए यह मुद्दा भारत सरकार के सामने यक्ष प्रश्न बन कर खड़ा हो गया है।

ब्लॉग राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (01-07 सितम्बर) पर विशेष

पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन का आधार

मुकेश कुमार शर्मा

"आरोग्यं परमं भाग्यं स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनं" अर्थात निरोगी होना सबसे बड़ा भाग्य है और बेहतर स्वास्थ्य से ही सभी कार्य सिद्ध होते हैं। संसार की सारी सुख-सुविधाओं, खुशियों और धन-दौलत का भोग भी तभी किया जा सकता है जब निरोगी काया हो। बेहतर स्वास्थ्य नियमित आहार-विहार के पालन से ही प्राप्त हो सकता है। इसके लिए जहाँ जीवनशैली को नियमित बनाने और शारीरिक श्रम को तरजीह देने की जरूरत है वहीँ खानपान का भी ख़ास ख्याल रखने की जरूरत है। सही खानपान और पोषण के बारे में समुदाय में जागरूकता की अलख जगाने के उद्देश्य से ही हर साल एक से सात सितम्बर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य समुदाय को स्थानीय स्तर पर सर्वसुलभ पोषक तत्वों से भरपूर मौसमी फलों-सब्जियों और अनाज के बारे में जागरूक बनाना है क्योंकि पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार ही स्वस्थ जीवन का आधार है।

सही पोषण हालांकि हर आयुवर्ग के लिए बहुत ही जरूरी है किन्तु गर्भवती, बच्चों और किशोर-किशोरियों के पोषण का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है क्योंकि यह ऐसी अवस्था होती है जहाँ पर इस वर्ग को एक बड़े बदलाव का सामना करना होता है। गर्भवती को अपने साथ ही गर्भस्थ शिशु के पोषण का ख्याल रखना होता है तो वहीँ बच्चों को शारीरिक वृद्धि के लिए पोषण खास अहमियत रखता है। दूसरी ओर किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक बदलावों के लिहाज से भी सही पोषण उनके लिए नितांत आवश्यक है। इसका मतलब यह कदापि नहीं कि ऐसे में सिर्फ भरपेट भोजन पर्याप्त होता है बल्कि भोजन में इस तरह के खाद्य समूहों का चयन करना जरूरी होता है जिससे कि शरीर को पर्याप्त मात्रा में आयरन, कैल्शियम, विटामिन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट आदि मिल सके। इसीलिए दादी-नानी की रसोई पोषक तत्वों से भरपूर हुआ करती थीं, जैसे- मोटे अनाज (मिलेट्स), दालें, मौसमी फल व सब्जियां, घर का बना दही, नट्स, बीज और पारम्परिक डेयरी उत्पाद आदि । पैकेट बंद खाद्य पदार्थों ने इनमें से कई चीजों को आज पीछे छोड़ दिया है, ऐसे में हमें स्वाद तो भरपूर मिल जाता है लेकिन पोषण की मात्रा नदारद होती है। ऐसे में हमें आज भी दादी-नानी की रसोई से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है, जैसे- खाने में विविधता का ख्याल रखना, मौसम के अनुसार खाद्य पदार्थों को चुनना, संतुलन और कम से कम प्रोसेसिंग आदि।

समुदाय में लोगों को यह समझाना आवश्यक है कि छह माह से ऊपर के बच्चों के मामले में आहार विविधता, मात्रा, आवृत्ति और फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों के माध्यम से आयरन युक्त भोजन का खास ख्याल रखा जाए, जिसमें स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। किशोरावस्था में शरीर के सम्पूर्ण विकास के लिए आयरन, कैल्शियम और प्रोटीन की अधिक मात्रा की जरूरत होती है। ऐसे में उनके भोजन में हरे पत्तेदार सब्जियों को जरूर शामिल करें ताकि भरपूर मात्रा में शरीर को आयरन की मात्रा मिल सके। इन सब्जियों में स्थानीय स्तर पर पर्याप्त मात्रा में मिलने वाली भिंडी, मटर, सेम की फलियाँ, चौलाई, पालक, बथुआ, मेथी, सहजन और सरसों के साग को शामिल किया जा सकता है। यह सब्जियां हीमोग्लोबिन बढ़ाने में बहुत ही मददगार साबित होती हैं। इनके अवशोषण को बढ़ाने के लिए इनमें नींबू या टमाटर के साथ पकाकर खाना ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। पालक और सहजन में जहाँ आयरन की मात्रा भरपूर होती है वहीँ मेथी में आयरन के साथ फाइबर और अन्य पोषक तत्व भी उच्च मात्रा में होते हैं।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध मोटा अनाज और दाल को भी जरूर प्राथमिकता दें। इनमें मक्का, बाजरा, रागी, ज्वार, राजमा, नट्स, चना दाल, काला चना, सोयाबीन और मसूर आदि को भोजन में शामिल कर बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त किया जा सकता है। दैनिक आहार में पीले एवं नारंगी फलों को भी शामिल करके शरीर को आकर्षक बनाया जा सकता है। इनमें पपीता, आम, खरबूज, कद्दू, गाजर आदि को शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा तिल, गुड़, चना और अलसी भी शरीर के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। थाली में विटामिन-सी युक्त आहार को भी शामिल करना आवश्यक होता है क्योंकि बेहतर स्वास्थ्य में यह बड़ी भूमिका निभाते हैं। इसके लिए जरूरी है कि अंकुरित चना/दाल, आंवला, नींबू, संतरा, टमाटर, अंगूर, अमरूद आदि से युक्त विविधता वाली थाली को जरूर अपनाएं। मुख्य भोजन के साथ इनमें से कई चीजों को सलाद के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यह सभी ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जो स्थानीय स्तर पर मौसम के अनुरूप आसानी से कम कीमत पर मिल सकते हैं, बस जरूरत है इनको अपनाने की। समुदाय में इस बारे में जागरूकता की भी जरूरत है ताकि उनको ज्ञात हो सके कि शरीर को भरपूर ऊर्जा के लिए जहाँ कार्बोहाइड्रेट की जरूरत होती है वहीँ मांशपेशियों की मजबूती और वृद्धि के लिए शरीर को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन की भी जरूरत होती है। इसी प्रकार वसा, विटामिन, खनिज और पानी भी स्वस्थ शरीर के लिए बहुत जरूरी होते हैं। इन सबके साथ यह भी बहुत जरूरी है कि खाना बनाने और खाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह से अवश्य धुलें।

विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए भी देश के हर नागरिक का स्वस्थ और निरोगी होना बहुत जरूरी है। इसकी तैयारी में अभी से ही जुटना आवश्यक है। इसके लिए खुद के साथ ही परिवार के हर सदस्य के सही पोषण और सही स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाए ताकि विकसित भारत का मार्ग आसानी से प्रशस्त हो सके। बेहतर स्वास्थ्य के बल पर ही लोग कार्यस्थल पर बेहतर कार्य प्रदर्शन कर सकते हैं और आर्थिक उत्पादकता की वृद्धि में सहायक बन सकते हैं। सही पोषण और सही स्वास्थ्य से गाढ़ी कमाई बेवजह इलाज पर नहीं खर्च करनी पड़ेगी। कुपोषण और बीमारियों से सुरक्षित रहकर ही बच्चों का समग्र शारीरिक और मानसिक विकास संभव है, जो कि आगे चलकर राष्ट्रहित में सहायक साबित हो सकते हैं। इस तरह यह सोने पर सुहागा जैसा ही होगा कि जब हम विकसित भारत को स्वस्थ विकसित भारत गर्व से कह सकेंगे।

इस तरह कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि बेहतर स्वास्थ्य की कुंजी सही आहार, सही दिनचर्या और सही जीवन शैली में निहित है। सही आहार के चयन के साथ ही उसको ग्रहण करने के सही समय का पालन करना भी जरूरी होता है। पीने का पानी भी स्वच्छ होना चाहिए। इसके साथ ही व्यस्ततम रूटीन के बाद भी अपने लिए प्रतिदिन एक घंटे का समय अवश्य निकालें और कुछ न कुछ शारीरिक श्रम, योग, प्राणायाम, ध्यान या कसरत अवश्य करें। इससे पाचन क्रिया जहाँ दुरुस्त होगी वहीँ कार्य के प्रति एकाग्रता भी बढ़ेगी। फ़ास्ट फ़ूड की जगह घर का बना शुद्ध और ताजा खाना ही खाएं। किसी भी तरह के नशे से दूरी बनाकर रहने में ही घर-परिवार और खुद की भलाई है।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

अंकित के परिजनों से मिले जयंत सिंह, बोले- दो हत्यारे ढेर, बाकी पर भी होगी कार्रवाई, सरकार गंभीर

आर्यावर्त संवाददाता

शामली। रालोद मुखिया चौधरी जयंत सिंह सोमवार को शामली के गांव बंतीखेड़ा पहुंचे और अंकित बालियान के पिता सतबीर फौजी व अन्य परिजनों से मुलाकात की। जयंत ने कहा कि सरकार इस मामले पर पूरी तरह गंभीर है। आज दो हत्यारों को एनकाउंटर में मारा गया है, बाकी हत्यारों और साजिश करने वालों को भी बख्शा नहीं जाएगा।

रालोद सुप्रीमो एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह ने अंकित के पिता सतबीर सिंह से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और परिवार को सांत्वना दी। जयंत सिंह ने कहा कि दुख की इस घड़ी में उनकी और पार्टी की संवेदनाएं परिवार के साथ हैं।

जयंत सिंह ने कहा कि अंकित एक कलाकार था और उसकी सुनियोजित तरीके से हत्या की गई। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है और पुलिस हत्याकांड की जांच में जुटी है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था तभी कायम रह सकती है, जब लोगों का व्यवस्था पर विश्वास बना रहे।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी इस मामले को लेकर उनकी बातचीत हुई थी। मुख्यमंत्री इस घटना को लेकर गंभीर थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का प्रयास पहले दिन से ही जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने का रहा है।

जयंत सिंह ने कहा कि आज के समय में पुलिस को अपना काम करने की पूरी आजादी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों तक जल्द पहुंचेगी और परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करेगी। परिजनों से मुलाकात के दौरान जयंत सिंह ने परिवार को भरोसा दिलाया कि वह इस दुख की घड़ी में उनके साथ हैं और न्याय की लड़ाई में परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।

कुलपति ने हास्टल के छात्राओं संग किया भोजन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित महिला छात्रावासों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मीराबाई छात्रावास में छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया और खुद भोजन की गुणवत्ता को परखा। कुलपति के छात्राओं के साथ भोजन करने से छात्राओं में भी उत्साह देखने को मिला। भोजन के दौरान कुलपति ने छात्राओं से छात्रावास में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उनके पठन-पाठन, अध्ययन के माहौल तथा छात्रावास में आने वाली समस्याओं के बारे में भी पूछा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है।कुलपति ने छात्रावास की विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों एवं वार्डन को निर्देश दिया कि छात्राओं को उपलब्ध कराई जाने वाली सभी सुविधाएं उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता के साथ-साथ साफ-सफाई, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। कुलपति ने द्रौपदी, मीराबाई एवं रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास की वार्डन डॉ. कृष्णा सिंह, डॉ. निमिषा यादव एवं डॉ. जया शुक्ला से छात्रावासों की व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस अवसर पर चीफ वार्डन प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. गिरधर मिश्र, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. वनिता सिंह एवं डॉ. श्वेता पांडेय उपस्थित रहीं।

बरेली में सड़क पर बुलेट खड़ी कर ई-बस रोकी, युवकों ने चालक को पीटा

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली में बुलेट बाइक पर सवार तीन युवकों ने रविवार दोपहर डेलापीर चौराहे के पास दबंगई की। बीच सड़क पर बुलेट खड़ी करके ई-बस को रोक लिया। इसके बाद चालक से गाली-गलौज की। विरोध करने पर चालक को पीट दिया। बस को भी नुकसान पहुंचाया। चालक ने इज्जतनगर थाने में तहरीर दी है। बस में मौजूद किसी युवक ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। अब यह वायरल हो रहा है।

भोजीपुरा थाना क्षेत्र के पीपलसाना चौधरी निवासी रंजीत सिंह सिटी बस सेवा के तहत संचालित ई-बस पर चालक हैं। पुलिस को दी तहरीर में उन्होंने बताया कि है कि रविवार दोपहर वह बस लेकर जंक्शन से मिनी बाइपास जा रहे थे। डेलापीर चौराहे पर बुलेट सवार तीन युवकों ने रोड पर बाइक खड़ी करके बस को रोक लिया। आरोप है कि तीनों युवक नशे में थे। बस रुकते ही दो युवक उनके पास आए और गालियां देने लगे। विरोध करने पर उनको पीटा और जान से मारने की धमकी दी। तीनों युवक सीबीगंज के रहने वाले हैं।

आरोपी की बाइक सीज

एसपी सिटी मानुष परीक ने बताया कि आरोपी की बाइक सीज कर दी गई है। तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बस चालक ने घटना के संबंध में सिटी बस सेवा के अधिकारियों को भी कॉल करके बताया है। प्रबंध संचालक मनीषा दीक्षित का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कराई जाएगी। बस में हुए नुकसान की भरपाई भी कराई जाएगी।

यूजीसी के नये नियमों को वापस लेने की मांग

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में सोमवार को ब्राह्मण एकता परिषद के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। परिषद के अध्यक्ष पंकज शुक्ला के नेतृत्व में विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया। परिषद ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए जारी किए गए नए नियमों को वापस लेने की मांग की। अध्यक्ष ने इन नियमों को एकपक्षीय बताया और कहा कि इनमें झूठी शिकायतों के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि इन नियमों से सामान्य व अन्य वर्गों के विद्यार्थियों और शोधार्थियों में असुरक्षा और असंतोष का माहौल है। परिषद ने इन नियमों को पूरी तरह वापस लेने या उन्हें वर्ग-निरपेक्ष बनाने की मांग की। इसके अतिरिक्त, ब्राह्मण एकता परिषद ने एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के दुरुपयोग पर रोक लगाने की मांग की। परिषद ने कहा कि अधिनियम के बढ़ते राजनीतिक व व्यक्तिगत दुरुपयोग को रोकने के लिए इसमें संवैधानिक दायरे में संशोधन किए जाएं।

नशे में दांव पर लगा दी चार जिंदगियां, देवदूत बनी पुलिस मौत के मुंह से खींच लाई परिवार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आगरा। आगरा के अछनेरा में घरेलू विवाद और शराब के नशे में एक व्यक्ति द्वारा पूरे परिवार को मौत के मुंह में धकेलने का मामला सामने आया है। युवक ने पत्नी के साथ मारपीट की। इसके बाद पत्नी और बच्चों को लेकर रेलवे ट्रैक पर पहुंच गया। खुद भी परिवार के साथ रेलवे ट्रैक पर ही लेट गया और ट्रेन का इंतजार करने लगा। इस दौरान ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आननफानन परिवार को रेलवे ट्रैक से हटाया। परिवार के हटने के करीब पांच मिनट बाद ही ट्रैक से तेज रफ्तार में ट्रेन गुजरी।

वेदप्रकाश लोधी पुत्र भोलाराम उम्र 31 वर्ष का शराब के नशे में रविवार रात को घर में विवाद हो गया। इस पर उसने पत्नी ममता से मारपीट कर दी। इसके बाद पत्नी और बच्चों बेटी संध्या (ढाई वर्ष) और बेटा प्रिंस (6) को लेकर रात करीब 11 बजे वह रायभा रेलवे स्टेशन पहुंचा। वहां सुनसान पटरियों पर जाकर अपनी पत्नी और बच्चों को जबरन लिटा दिया।

चारों को पटरी पर लेटे देख स्टेशन परिसर और आसपास हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पीआरवी और थाना पुलिस की टीम बिना एक पल गंवाए मौके पर पहुंची। पुलिस ने पटरियों की तरफ दौड़ लगाई। चारों को ट्रैक से खींचकर दूर किया। जैसे ही पुलिस ने परिवार को वहां से हटाया, उसके ठीक पांच मिनट बाद उसी ट्रैक पर ट्रेन आ गई। यदि पुलिस पहुंचने में जरा भी देरी करती, तो पूरा परिवार काल के गाल में समा जाता।

घरेलू कलह और नशे में उठाया आत्मघाती कदम

पुलिस ने मौके से नशे में धुत वेदप्रकाश को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने उसका तुरंत चिकित्सीय परीक्षण (मेडिकल) कराया, जिसके बाद उसे थाने में बैठाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पारिवारिक विवाद के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

समान कानून की मांग को लेकर आवाज उठायी

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। देश में समान कानून और सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए जाने की मांग को लेकर सवर्ण आर्मी ने सोमवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने केंद्र व प्रदेश सरकार से संविधान में निहित समानता के सिद्धांत को मजबूत करने तथा कानून के समान संरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाई।सवर्ण आर्मी की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि सभी नागरिकों को संविधान प्रदत्त समानता एवं मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। संगठन ने मांग की कि आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा कर आर्थिक स्थिति तथा वास्तविक सामाजिक-शैक्षिक पिछड़ेपन जैसे पारदर्शी मानकों को भी आधार बनाया जाए। ज्ञापन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी के वर्ष 2026 के नए नियमों की समीक्षा करने की मांग भी की गई। संगठन ने कहा कि ऐसे प्रावधानों पर पुनर्विचार होना चाहिए, जिन्हें जनहित और समानता की कसौटी पर उचित नहीं पाया जाता है। संगठन ने मामलों के अंतिम न्यायिक परिणाम, दोषमुक्त हुए आरोपियों की संख्या तथा न्यायालय द्वारा आरोप निराधार पाए जाने वाले मामलों से संबंधित जानकारी पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराने की मांग रखी।

गंगा में बाढ़ की वजह से महाश्मशान मणकिर्णकिा और हरश्चिंद्र घाट पर अंतमि संस्कार के लिए गलियों में लगी शवों की कतार

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। काशी में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। केंद्रीय जल आयोग, राजघाट के अनुसार सोमवार की सुबह 8 बजे जलस्तर 69.90 मीटर दर्ज किया गया, जो 2 सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। वाराणसी में गंगा का चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 71.262 मीटर है।

उल्लेखनीय है कि 1978 में गंगा का जलस्तर 73.901 मीटर तक पहुंचा था, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। वर्तमान जलस्तर चेतावनी बिंदु से मात्र 36 सेमी नीचे है, जिससे घाटों के संपर्क मार्ग डूबने के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। इस स्थिति को देखते हुए एनडीआरएफ और जल पुलिस अलर्ट पर हैं और लगातार निगरानी की जा रही है।

गंगा में बाढ़ के कारण महाश्मशान मणिकर्णिका और

हरिश्चंद्र घाट का बड़ा हिस्सा डूब चुका है। इस स्थिति में गलियों में चिताएं सजाई जा रही हैं, जबकि कुछ शवों को छत पर जलाया जा रहा है। दूर-दराज से शव लेकर आने वाले लोगों को अब अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे शव को गलियों में रखकर चिता स्थल खाली होने का इंतजार करना पड़ रहा है।

जहां पहले कुछ घंटों में शव दाह हो जाता था, वहीं अब पूरा दिन लग रहा है। बाढ़ का पानी लगातार बढ़ता जा रहा है, और यदि यह स्थिति कुछ समय और बनी रही, तो गलियों में चिताओं को जलाना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। घाट पर सुविधाओं की भी कमी हो गई है, जिससे दूर-दराज से आने वाले लोग बाढ़ और बारिश के कारण शवदाह करने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। यह माना जा रहा है कि यह दुश्वारी अगले कुछ दिनों तक और भी बनी रह सकती है। स्थानीय प्रशासन और संबंधित एजेंसियों द्वारा स्थिति पर नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटा जा सके। गंगा के जलस्तर में वृद्धि के कारण स्थानीय निवासियों में चिंता का माहौल है।

घाटों के आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ के पानी के बढ़ने से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। बाढ़ के कारण होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

इस समय वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से न केवल धार्मिक गतिविधियों पर असर पड़ा है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है, जिससे स्थानीय व्यवसायों को नुकसान हो रहा है। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया है। गंगा में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन की सलाह का पालन करें। जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है, और जैसे ही स्थिति में सुधार होगा, आवश्यक जानकारी साझा की जाएगी।

स्वास्थ्य शिविर में 100 बच्चों हुई जांच

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। पूर्वांचल स्पीच एंड हियरिंग सेंटर, नईगंज के सौजन्य से सिकारारा स्थित अरोमा एकेडमी परिसर में एक दिवसीय निशुल्क श्रवण एवं वाणी जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 100 से अधिक बच्चों एवं लोगों ने भाग लिया, जहाँ उनके कान की सुनाई की जाँच, कान में सनसनाहट (टिनिटस) तथा वाक संबंधी विकारों का आधुनिक उपकरणों द्वारा परीक्षण किया गया।जाँच के दौरान विशेषज्ञों द्वारा हकलाने, तुतलाने तथा अटक-अटक कर बोलने की समस्या से ग्रस्त बच्चों का विस्तृत असेसमेंट किया गया एवं उन्हें आवश्यक स्पीच थेरेपी परामर्श दिया गया। डॉ. सौरव कुमार सिंह ने कहा कि सुनना और बोलना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। हमारा मुख्य उद्देश्य समाज को जागरूक करना है ताकि कोई भी बच्चा श्रवण या वाणी विकार के कारण समाज की मुख्यधारा से वंचित न रह जाए। यदि मूक-बधिर बच्चों की समय रहते सही जाँच कर ली जाए और आवश्यकतानुसार डिजिटल हियरिंग एड अथवा थेरेपी उपलब्ध कराई जाए, तो वे भी सामान्य बच्चों की तरह आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

बारिष के बाद सड़कों पर तैरता दिखता है विकास

जौनपुर। बारिश भादो माह में भी जारी है। मानसून की सक्रियता के कारण सोमवार को जिले में कहीं तेज तो कहीं रिमझिम बारिश दर्ज की गई। इस लगातार बारिश ने एक ओर जहां धान की फसल को नया जीवन दिया है, वहीं दूसरी ओर जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने से शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मौसम विभाग ने आगामी तीन दिनों तक जिले में बारिश जारी रहने की संभावना जताई है। षहर में करोड़ों रूपये खर्च करने के बाद भी सड़के और गलियां विकास को मुंह चिढ़ाते हुए खन्दक में तब्दील है। बारिष होने के बाद अनेक मोहल्ले तालाब बन जाते है सड़के पानी से घण्टों पानी में डबूबी रहती है जाम लगा रहता है। विकास के नाम पर धन का बन्दरबांट करने वाले जनप्रतिनिधि विकास की गंगा बहाने का दावा कर रहे है जो ष्षर्म की बात है। जनता आगामी चुनाव में उन्हे सबक सिखा सकती है।

नेपाल में लापता 3 अपनों का इंतजार, बीमार मां-बाप से छिपाया गया दर्द, टीवी-अखबार कराया बंद

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। नेपाल में लापता हुए मूल रूप से श्यामनगर निवासी और अमेरिकी नागरिक पंकज मिश्रा, उनकी पत्नी रागिनी मिश्रा और उनके छोटे भाई की पत्नी पूनम मिश्रा का अभी तक पता नहीं चल सका है। बेटे-बहू के लापता होने की खबर अभी बुजुर्ग माता-पिता को इसलिए नहीं दी गई क्योंकि दोनों दिल के मरीज हैं। साथ ही अखबार और टीवी का कनेक्शन भी कटवा दिया गया है ताकि उन्हें किसी तरह इस बात की जानकारी न हो सके।

श्यामनगर के ई ब्लॉक निवासी राजेंद्र मिश्रा रिटायर्ड एयरफोर्स कर्मी हैं। उनके परिवार में पत्नी सुमन मिश्रा, तीन बेटे पंकज मिश्रा, धीरज मिश्रा, अनुज मिश्रा हैं। पंकज अपनी पत्नी रागिनी मिश्रा और बेटे अरमान के साथ यूएस में रहते हैं। उनके

साथ छोटा भाई धीरज मिश्रा, पत्नी पूनम मिश्रा, बेटे ध्रुव व बेटी मानसी भी साथ में रहते हैं। पंकज और उनके भाई धीरज, धीरज की पत्नी पूनम मिश्रा सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। पंकज की पत्नी रागिनी मिश्रा सरकारी शिक्षिका हैं। सभी लोग वहीं के ही नागरिक हैं। बीते 20 अगस्त को सभी यूएस फ्लाइट से दिल्ली आए और दिल्ली से कैलाश मानसरोवर यात्रा जाने के लिए काठमांडू के लिए निकले थे।

इससे पहले उन्होंने नेपाल में पशुपतिनाथ के दर्शन किए थे जिसमें उनके साथ 31 लोग थे। इनमें 26 पर्यटक थे जबकि पांच लोग गाइड कर रहे थे। श्यामनगर में रहने वाले सबसे छोटे भाई डॉ. अनुज मिश्रा ने बताया कि आखिरी बार उनकी 25 अगस्त को भाई पंकज से बात हुई थी। इसके बाद से तीनों अभी भी लापता हैं। लगातार फोन मिलाने के बाद भी उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। नेपाल में आई त्रासदी के बाद से घर वाले लगातार बेचैन है। वहां के पीएमओ से संपर्क करने का प्रयास कर रहे हैं।

माता-पिता से फोन पर संपर्क न होने का बता रहे बहाना

भाई अनुज ने बताया कि उनके पिता राजेंद्र और मां सुमन दोनों लोग हार्ट के मरीज हैं। नेपाल में आई त्रासदी के बाद से लगातार बेटे और बहू के लिए परेशान हैं। लगातार बात करने के लिए कह रहे हैं। उनके बार-बार पूछने पर परिजन फोन पर संपर्क नहीं होने की बात कह रहे हैं। परिजन ने घर में आने वाले अखबार को बंद करा दिया, साथ ही टीवी के कनेक्शन को भी कटवा दिया है।

भाई बोला- दोनों के लापता होने से मन बेचैन

पीरोड में रहने वाले रागिनी मिश्रा के भाई प्रवीण द्विवेदी ने बताया कि रक्षाबंधन पर हर साल उनकी बहन राखी भेजती थी। इस बार भी भेजी थी लेकिन बहन, बहनोई और उनकी देवरानी के लापता होने से मन बेचैन है।

अधिकारियों ने बैरकों से रसोई तक परखी व्यवस्थां

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. एवं पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह ने सोमवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। डीएम-एसपी ने विभिन्न बैरकों, कारागार अस्पताल, पाकशाला सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की स्थिति परखी। अधिकारियों ने जिला कारागार अस्पताल में भर्ती बंदियों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य एवं उपचार की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित चिकित्सकों एवं कारागार प्रशासन को बंदियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।इसके बाद रसोई का निरीक्षण किया। यहां बंदियों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और भोजन तैयार करने की प्रक्रिया को देखा।

राखी पर कहीं ज्यादा तो नहीं खा गए आप? ऐसे करें बॉडी डिटॉक्स

राखी के मौके पर रिश्तों में मिठास बढ़ाने के लिए मिठाई न हो तो ऐसा हो नहीं सकता है। परिवारों का जमा होना और तरह-तरह की चीजों का स्वाद चखा जाना आम है। ओवरईटिंग के बाद बॉडी डिटॉक्स करने के तरीके।।।

राखी पर मिठाई, नमकीन चीजें, दही-भल्ला, चाट-पकौड़ी या दूसरी चीजों को लोग शौक-शौक में खाते जाते हैं। फेस्टिवल के रंग में ये ज्यादातर ये भूल जाते हैं कि वो ओवरईटिंग कर रहे हैं। कुछ देर बाद अपच, मतली या फिर उल्टी आना फील होने लगता है। एसिडिटी का लगातार बना रहना भी परेशान करता है। वैसे आजकल त्योहार पर ज्यादा खा लेने के बाद बॉडी डिटॉक्स के तरीके को बहुत फॉलो किया जाता है।

डिटॉक्सिफाइंग के जरिए शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकाला जाता है। लेकिन कुछ चीजें या ऐसे तरीके भी हैं जिन्हें अपनाकर खाने से हुए भारीपन को कुछ हद तक कम या दूर किया जा सकता है। चलिए आपको बताते हैं।।

पानी ज्यादा पिएं

बॉडी को डिटॉक्स करने का सबसे बढ़िया और आसान तरीका है ज्यादा से ज्यादा पानी पीना। खाने से हुए भारीपन में एक साथ ज्यादा पानी पीया नहीं जा सकता। लेकिन आप धीरे-धीरे इसे पीकर पेट को हल्का महसूस करा सकते हैं। त्योहार मनाने के बाद पानी पिएं क्योंकि इससे बॉडी हाइड्रेट रहती है और किडनी नॉर्मल तरीके से टॉक्सिन्स को बाहर निकाल पाती है। किडनी अपना काम ठीक से करेगी तो आपको जल्दी ही अच्छा और हल्का महसूस होने लगेगा।

फाइबर है जरूरी

त्योहार वाले दिन जमकर मीठा और स्नैक्स खा लिए है तो ऐसी चीजें खाएं जिनमें फाइबर ज्यादा हो। इसमें आपके काम सेब, अमरूद, नाशपाती, पपीता और मौसमी जैसे फल आ सकते हैं। इनका जूस निकालकर पीने की गलती न करें क्योंकि डिटॉक्स ड्रिंक पीने के बजाय फाइबर का इंटेक बढ़ाएं। फाइबर ठीक से मिलता है तो पाचन क्रिया ठीक से हो पाती है और अगले दिन पेट साफ हो पाता है। आप चाहे तो रात में सोने से पहले दूध या गुनगुने पानी में इसबगोल को मिलाकर पी सकते हैं।

पपीता और दही का कॉम्बो

ज्यादा तला-भुना या मीठा खाने से पेट में भारीपन महसूस हो रहा है तो हल्की चीजों को खाएं। इसके लिए पपीता खा सकते हैं क्योंकि ये फाइबर का बेस्ट सोर्स है। इसके अलावा दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो आंतों की हेल्थ को बेहतर बनाते हैं। वैसे जिन्हें दही से गैस या दूसरी प्रॉब्लम हो उन्हें अपनी सेहत को ध्यान में रखकर इसे खाना चाहिए।

हरी सब्जियां हैं रामबाण इलाज

पालक, लौकी, तोरई, भिंडी या दूसरी सीजनल वेजिटेबल्स को खाएं। क्योंकि इनमें फाइबर के अलावा कई जरूरी विटामिन और मिनरल्स होते हैं। ऐसा करने से शरीर को जरूरी पोषण मिलता है और ज्यादा कैलोरी वाले त्योहार के खाने के बाद डाइट को बैलेंस करने में मदद करते हैं।

नारियल पानी पिएं

वैसे बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए आप नारियल पानी को पी सकते हैं। इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स काफी होते हैं जिनकी वजह से बॉडी नेचुरली हाइड्रेट रहती है। इसके अलावा आप हर्बल टी को पी सकते हैं। अदरक, सौंफ और जीरा जैसी देसी चीजों का पानी तैयार करें और हर्बल ड्रिंक को सिप-सिप करके पिएं। वैसे इन्हें टॉक्सिन्स निकालने वाली जादुई ड्रिंक मान लेना सही नहीं है।

सैर है सबसे जरूरी

खानपान का ध्यान रखने के अलावा कुछ देर की सैर भी करनी चाहिए। ऐसा करने से शरीर हल्का महसूस करता है और मीठी-नमकीन चीजें आसानी से पचने लगती है। त्योहार वाले दिन भले ही जमकर खाया हो लेकिन वॉक शरीर को रिलैक्स फील करा सकती है। वैसे एक दिन की सैर में बदलाव आना मुश्किल है, इसलिए रोजाना कम से कम 30 मिनट पैदल चलें। 21 दिन बाद आप शरीर में कई बड़े बदलाव देख पाएंगे।

बता दें कि डिटॉक्स शब्द के साथ ये स्पष्ट रखना बेहतर है कि कोई एक चीज शरीर से चीनी को जादुई तरीके से बाहर नहीं निकालती। पर ये चीजें शरीर को हाइड्रेटेड रखने, ब्लड शुगर स्पाइक के बाद संतुलित डाइट पर लौटने और पाचन को बेहतर रखने में मदद कर सकती हैं।

रोज माउथवॉश करते हैं तो पहले जान लें ये जरूरी बातें, वर्ना फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

सुबह उठते ही ब्रश करना और फिर मुंह की ताजगी के लिए माउथवॉश का इस्तेमाल करना अब कई लोगों की रोज की आदत बन चुका है। कुछ लोग इसे सांसों की बदबू दूर रखने के लिए इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ को लगता है कि माउथवॉश करने से दांत और मसूड़े ज्यादा साफ रहेंगे। हालांकि माउथवॉश मुंह की सफाई में मदद जरूर करता है, मगर यह ब्रश और दांतों के बीच की सफाई नहीं कर सकता। साथ ही, हर दिन इस्तेमाल करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आप किस तरह का माउथवॉश इस्तेमाल कर रहे हैं और उसका सही तरीका क्या है। माउथवॉश से कुल्ला करने के बाद मुंह ताजगी भरा जरूर लगता है, लेकिन इससे दांतों पर जमी गंदगी पूरी तरह नहीं निकलती। ब्रश दांतों की सतह पर जमा गंदगी और प्लाक को हटाने में मदद करता है। वहीं दांतों के बीच फंसे खाने को साफ करने के लिए के लिए फ्लॉस या इंटरडेंटल ब्रश की जरूरत पड़ती है। इसलिए माउथवॉश को ब्रश का विकल्प मानना गलत है। इसे जरूरत के मुताबिक रोज की ओरल हाइजीन रूटीन में शामिल किया जा सकता है।

बाजार में कई तरह के माउथवॉश मिलते हैं। किसी का इस्तेमाल बदबू के लिए किया जाता है, तो किसी को मसूड़ों या दूसरी दांतों की परेशानी को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। इसलिए सिर्फ अच्छा स्वाद या बड़ी कंपनी देखकर माउथवॉश खरीदना सही नहीं है। अगर आपको दांत या मसूड़ों से जुड़ी कोई परेशानी है तो डेंटिस्ट से पूछकर माउथवॉश लेना बेहतर रहेगा।

कुछ माउथवॉश इस्तेमाल करने पर मुंह में तेज जलन होती है। कई लोगों को लगता है कि जलन ज्यादा है तो माउथवॉश ज्यादा असरदार होगा। ऐसा जरूरी नहीं है। जलन कुछ खास चीजों की वजह से हो सकती है, जैसे अल्कोहल या उसमें डाला गया फ्लेवर। अगर हर बार इस्तेमाल के बाद ज्यादा जलन या परेशानी हो रही है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

माउथवॉश खरीदने से पहले उसकी बोतल पर दी गई जानकारी जरूर पढ़ें। उसमें कौन-कौन सी चीजें डाली गई हैं, यह देखना जरूरी है। खासकर अगर आपका मुंह जल्दी सूखता है या किसी चीज से जलन होती है तो ऐसा प्रोडक्ट चुनने से बचें, जिससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है। हर व्यक्ति के लिए एक ही माउथवॉश सही हो, यह जरूरी नहीं है।

अगर माउथवॉश करने के बाद सांसों की बदबू वापस बनी रहती है तो इसकी वजह कुछ और हो सकती है। दांतों और मसूड़ों की बीमारी भी इसकी वजह बन सकती है। ऐसे में बार-बार माउथवॉश करने के बजाय डेंटिस्ट से जांच कराना ज्यादा बेहतर रहेगा।

नियमित तौर पर वालीबॉल खेलने से मिल सकते हैं ये 5 प्रमुख फायदे

वालीबॉल एक मजेदार और रोमांचक खेल है, जो न केवल मनोरंजन का साधन है बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। यह खेल टीम वर्क, ध्यान और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देता है। वालीबॉल खेलने से शरीर के विभिन्न हिस्सों की एक्सरसाइज होती है और मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। आइए जानते हैं कि नियमित रूप से वालीबॉल खेलने से क्या-क्या लाभ मिल सकते हैं।

शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा

वालीबॉल खेलने से शरीर की फिटनेस में सुधार होता है। यह खेल दौड़ने, कूदने और तेजी से हरकत करने की जरूरत होती है, जिससे दिल और फेफड़ों का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

इसके अलावा यह खेल मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर को लचीला बनाता है।

नियमित रूप से वालीबॉल खेलने से शरीर की सहनशक्ति भी बढ़ती है, जिससे आप अन्य खेल गतिविधियों में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

तनाव को कम करने में है मददगार

वालीबॉल खेलने से मानसिक तनाव कम होता है। जब आप किसी टीम का हिस्सा होते हैं और मिलकर खेलते हैं तो आपका ध्यान अपनी चिंताओं से हट जाता है।

यह खेल आपके मनोबल को बढ़ाता है और आपको खुश रखता है। इसके अलावा वालीबॉल खेलने से ऐसे रसायन निकलते हैं, जो आपको खुश और तरोताजा महसूस कराते हैं। नियमित रूप से वालीबॉल खेलने से मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है।

सामाजिक संबंध मजबूत करने में है सहायक

वालीबॉल एक टीम गेम है, जो सामाजिक संबंध बनाने का अच्छा मौका देता है।

जब आप किसी टीम का हिस्सा होते हैं तो आप नए दोस्तों से मिलते हैं और साथ मिलकर काम करना सीखते हैं। इससे आपकी सामाजिक कौशल भी विकसित होती हैं।

इसके अलावा यह खेल सहयोग और समर्पण की भावना को बढ़ावा देता है, जो आपके व्यक्तिगत संबंधों को भी मजबूत करता है। नियमित रूप से वालीबॉल खेलने से आप एक समुदाय का हिस्सा बनते हैं।

संतुलन और तालमेल में सुधार

वालीबॉल खेलने से शरीर का संतुलन और तालमेल में सुधार होता है। गेंद को सही तरीके से हिट करना, कूदना और जमीन पर उतरना इन सभी गतिविधियों से आपका संतुलन बेहतर होता है।

इसके अलावा यह खेल हाथ-आंख के संतुलन को भी बढ़ावा देता है। नियमित रूप से वालीबॉल खेलने से आप अपने शरीर के नियंत्रण को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और उसका उपयोग कर सकते हैं।

आत्मविश्वास बढ़ाने में है कारगर

वालीबॉल खेलने से आत्मविश्वास बढ़ता है। जब आप किसी टीम का हिस्सा बनकर जीत हासिल करते हैं तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। इससे आपकी व्यक्तिगत पहचान भी मजबूत होती है और आप खुद पर विश्वास करना सीखते हैं।

इस प्रकार वालीबॉल न केवल एक खेल है बल्कि एक जीवनशैली है, जो हमें स्वस्थ रखने के साथ-साथ मनोबल भी बढ़ाती है। इसलिए इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और इसके लाभ उठाएं।

फूलगोभी खाने से मिल सकते हैं ये 5 स्वास्थ्यवर्धक लाभ

फूलगोभी भारतीय खाने का एक अहम हिस्सा है। इसका उपयोग कई तरह के व्यंजनों में होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह सब्जी आपके स्वास्थ्य के लिए कितनी फायदेमंद हो सकती है? फूलगोभी में विटामिन-सी, विटामिन-के, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर को कई लाभ प्रदान कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे इस सब्जी को अपनी डाइट में शामिल करके स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है।

वजन घटाने में है सहायक

फूलगोभी में कम कैलोरी होती है और यह फाइबर का अच्छा स्रोत भी है, जिससे यह वजन घटाने में मदद कर सकती है।

इसमें मौजूद फाइबर पाचन को सुधारता है और लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे आप कम खाते हैं।

इसके अलावा इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की चर्बी को कम करने में भी मदद करते हैं। नियमित रूप से फूलगोभी का सेवन करने से आप अपने वजन को नियंत्रित रख सकते हैं।

दिल के स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

फूलगोभी में ऐसे तत्व होते हैं, जो दिल की बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकते हैं। ये तत्व धमनियों में सूजन को कम करते हैं और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित रखते हैं।

इसके अलावा इसमें कुछ ऐसे यौगिक होते हैं, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। इस प्रकार फूलगोभी का सेवन करने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है और दिल स्वस्थ रहता है।

पाचन को कर सकती है बेहतर

फूलगोभी में फाइबर की अधिकता होती है, जो पाचन को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। यह कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं को दूर करके पाचन को स्वस्थ रखता है।

इसके अलावा इसमें कुछ ऐसे गुण होते हैं, जो आंत के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं, जिससे आंत का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

फूलगोभी का सेवन करने से पाचन में सुधार होता है और आंत का स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

कैंसर के खतरे को कम करने में है सहायक

फूलगोभी में कुछ ऐसे तत्व होते हैं, जो कैंसर के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये तत्व शरीर में मौजूद हानिकारक तत्वों को दूर करके कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकते हैं।

इसके अलावा इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो हानिकारक तत्वों से लड़ते हैं और कोशिकाओं को सुरक्षित रखते हैं।

हालांकि, फूलगोभी कैंसर का इलाज नहीं है। कैंसर रोगी डॉक्टरी जांच और इलाज को प्राथमिकता दें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को कर सकती है मजबूत

फूलगोभी विटामिन-सी का अच्छा स्रोत होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद करता है। विटामिन-सी शरीर की सुरक्षा तंत्र को बढ़ाता है और संक्रमण से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है।

इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को हानिकारक तत्वों से बचाते हैं।

इस प्रकार फूलगोभी का नियमित सेवन करने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत रहती है और आप बीमारियों से जल्दी बचाव कर सकते हैं।

बाजार की पाठशाला : इन लोगों के लिए आईटीआर फाइल करने की डेडलाइन, जानिए किसके लिए कौन–सा फॉर्म होगा सही

अगर आप नौकरी के साथ कारोबार, पेशे या स्वतंत्र रूप से काम करके कमाई करते हैं, तो आपके लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख नजदीक आ गई है। बिना कर ऑडिट वाली कारोबारी या पेशेवर आय रखने वाले करदाताओं को 31 अगस्त 2026 तक अपना आयकर रिटर्न दाखिल करना होगा। वहीं, जिन कारोबारियों और पेशेवरों के खातों का कर ऑडिट जरूरी है, उनके लिए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर 2026 है। ऐसे करदाताओं के लिए रिटर्न दाखिल करने से पहले यह समझना जरूरी है कि उनकी आय और वित्तीय स्थिति के आधार पर कौन-सा रिटर्न फॉर्म लागू होगा।

आयकर विभाग के अनुसार, 31 जुलाई की अंतिम तारीख तक 6.5 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके थे, जिनमें वेतनभोगी लोगों, पेंशनभोगियों, छात्रों की आय वाले करदाताओं और अलग-अलग स्रोतों से आय प्राप्त करने वाले लोगों के रिटर्न शामिल हैं। इनमें कारोबार (बिजनेस) और पेशे (प्रोफेशन) से आय वाले बड़ी संख्या में करदाता भी शामिल रहे। अब बिना कर ऑडिट वाले कारोबार या पेशे से आय रखने वाले बाकी करदाताओं के लिए 31 अगस्त की तारीख महत्वपूर्ण है।

बिजनेस या प्रोफेशन से आय होने पर आम तौर पर आईटीआर-3 या आईटीआर-4 में से किसी एक फॉर्म का इस्तेमाल किया जाता है। सही फॉर्म का चुनाव करदाता की आय, कारोबार की प्रकृति और कर व्यवस्था पर निर्भर करता है। गलत फॉर्म में रिटर्न दाखिल करने से बाद में कर विभाग की ओर से परेशानी या स्पष्टीकरण की जरूरत पड़ सकती है।

आईटीआर-3 उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) के लिए होता है, जिनकी आय बिजनेस या प्रोफेशन से होती है और जो प्रिजमप्टिव टैक्सेशन यानी अनुमानित कर व्यवस्था का विकल्प नहीं चुनते हैं।

अगर टैक्सपेयर नियमित रूप से अकाउंट बुक्स मेंटेन करता है, उसकी कुल आय 50 लाख रुपये से अधिक है या वह फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस यानी एफएंडओ ट्रेडिंग करता है, तो कई मामलों में आईटीआर-3 लागू हो सकता है।

आईटीआर-3 के जरिए वे टैक्सपेयर्स वेतन या पेंशन, हाउस प्रॉपर्टी, बिजनेस या प्रोफेशन, कैपिटल गेन्स और अन्य स्रोतों से होने वाली आय की जानकारी दे सकते हैं। आम तौर पर यह फॉर्म उन व्यक्तियों या एचयूएफ के लिए इस्तेमाल होता है, जो आईटीआर-1, आईटीआर-2 या आईटीआर-4 के तहत रिटर्न दाखिल करने के योग्य नहीं हैं।

वहीं, आईटीआर-4 यानी सुगम उन व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्म के लिए है, जो प्रिजमप्टिव टैक्सेशन स्कीम के तहत बिजनेस या प्रोफेशनल इनकम घोषित करते हैं और जिनकी कुल आय निर्धारित सीमा के भीतर है। सामान्य तौर पर इसमें 50 लाख रूपये तक की कुल आय वाले पात्र टैक्सपेयर्स शामिल हो सकते हैं।

इसमें बिजनेस या प्रोफेशन से होने वाली आय के अलावा वेतन या पेंशन, अधिकतम दो हाउस प्रॉपर्टी से आय और ब्याज, फैमिली पेंशन तथा डिविडेंड जैसी अन्य स्रोतों से आय भी शामिल की जा सकती है। निर्धारित शर्तों के तहत कृषि आय 5,000 रूपये तक और सेक्शन 112ए के तहत आने वाले कुछ लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स भी इसमें रिपोर्ट किए जा सकते हैं।

हालांकि, हर टैक्सपेयर आईटीआर-4 का इस्तेमाल नहीं कर सकता। अगर सेक्शन 112ए के तहत शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स या निर्धारित सीमा से अधिक लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स है, अनलिस्टेड इक्विटी शेयर हैं, विदेशी संपत्ति या विदेश से आय है, घाटे को आगे कैरी फॉरवर्ड करना है, या ऐसी आय है जिस पर विशेष दर से टैक्स लगता है, तो आईटीआर-4 का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कंपनी के डायरेक्टर भी इस फॉर्म के जरिए रिटर्न दाखिल नहीं कर सकते।

विशेषज्ञों के अनुसार, आयकर रिटर्न दाखिल करने से पहले करदाताओं को फॉर्म 26एएस, वार्षिक सूचना विवरण यानी एआईएस, करदाता सूचना सारांश यानी टीआईएस, फॉर्म 16 और फॉर्म 16ए की जानकारी जांच लेनी चाहिए।

साथ ही बैंक खाते और कर भुगतान से जुड़े चालान भी तैयार रखने चाहिए। कारोबारियों को बिक्री-खरीद का रिकॉर्ड, लाभ-हानि खाता, बैलेंस शीट, बिल और चालान, जीएसटी रिटर्न तथा भुगतान माध्यमों से मिले डिटेल्स का भी मिलान करना चाहिए।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर करदाता ने शेयर बाजार में निवेश या ट्रेडिंग की है, तो ब्रोकरेज स्टेटमेंट, कॉन्ट्रैक्ट नोट, डीमैट स्टेटमेंट और कैपिटल गेन्स से जुड़ी पूरी जानकारी तैयार रखनी चाहिए। इनका मिलान एआईएस और बैंक रिकॉर्ड से करना जरूरी है। इसी तरह, किराये से आय पाने वाले प्रॉपर्टी मालिकों को रेंट एग्रीमेंट, नगर निगम टैक्स की रसीद, प्रॉपर्टी के मालिकाना हक से जुड़े दस्तावेज और होम लोन के ब्याज का सर्टिफिकेट संभालकर रखना चाहिए।

टैक्सपेयर्स को लागू होने पर टैक्स ऑडिट रिपोर्ट, फॉर्म 10-आईईए की अनॉलेजमेंट और विभिन्न डिडक्शन का दावा करने के समर्थन में जरूरी दस्तावेज भी तैयार रखने चाहिए। रिटर्न दाखिल करते समय जल्दबाजी के बजाय एआईएस, टीआईएस, फॉर्म 26एएस , बैंक स्टेटमेंट और अन्य रिकॉर्ड को अच्छी तरह मिलाना जरूरी है।

इसके अलावा, इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने से पहले सबसे महत्वपूर्ण बात सही आईटीआर फॉर्म का चुनाव करना है। गलत फॉर्म में रिटर्न दाखिल करने पर बाद में परेशानी हो सकती है। इसलिए अपनी आय के स्रोत, बिजनेस या प्रोफेशन की प्रकृति, कैपिटल गेन्स, विदेशी संपत्ति, शेयर बाजार की ट्रेडिंग और लागू टैक्स व्यवस्था को ध्यान में रखकर ही आईटीआर-3 या आईटीआर-4 का चुनाव करें।

इसके साथ ही विशेषज्ञों का कहना हैं कि आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर कई जानकारियां पहले से भरी हुई मिलती हैं, लेकिन उन्हें बिना जांचे स्वीकार नहीं करना चाहिए। रिटर्न जमा करने के बाद ई-सत्यापन पूरा करना भी जरूरी है। जटिल आय या कई स्रोतों से कमाई होने की स्थिति में रिटर्न दाखिल करने से पहले चार्टर्ड अकाउंटेंट या योग्य टैक्स एक्सपर्ट की सलाह लेना भी उपयोगी हो सकता है।

ई-कॉमर्स से क्विक कॉमर्स तक: राखी पर क्या खरीद रहे हैं लोग और तकनीक ने कैसे बदला गिफ्ट मार्केट?

10-मिनट डिलीवरी ऐप्स ने आम लोगों के काम को काफी आसान बना दिया है

ई-कॉमर्स की वजह से आम लोगों के गिफ्ट लेने का तरीका पूरी तरह से बदला है

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर इस बार भारतीय बाजार में एक बड़ा डिजिटल बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी हफ्तों पहले से बाजारों के चक्कर काटने या पोस्ट-कोरियर के जरिए राखी भेजने की परंपरा अब 10-मिनट डिलीवरी ऐप्स और स्मार्ट ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के हाथों में आ गई है। तकनीक ने न सिर्फ खरीदारी का तरीका बदला है, बल्कि लोगों की गिफ्टिंग पसंद को भी पूरी तरह अपग्रेड कर दिया है।

इस साल रक्षाबंधन पर देश भर के गिफ्टिंग मार्केट में ई-कॉमर्स से लेकर क्विक-कॉमर्स का दबदबा है। जहां पहले त्यौहार की खरीदारी की योजना कई दिन पहले बनती थी, वहीं अब टेक प्लेटफॉर्म्स के चलते 'लास्ट मिनट बुकिंग' और 'इंस्टेंट डिलीवरी' का नया ट्रेंड सेट हो गया है। आइए इस विस्तार से चर्चा करते हैं...

इस रक्षाबंधन सबसे ज्यादा बिकने वाले टॉप 4 प्रोडक्ट्स

स्मार्ट गैजेट्स और टेक एक्सेसरीजः इस बार पारंपरिक कपड़ों और पर्स के मुकाबले स्मार्टवॉच, वायरलेस इयरबड्स, पावर बैंक और ब्लूटूथ स्पीकर्स युवाओं की पहली पसंद बने हुए हैं।

इको-फ्रेंडली और 'सीड राखियां': साधारण रेशमी धागों की जगह पर्यावरण-अनुकूल राखियां ट्रेंड कर रही हैं, जिनमें बीज (seeds) लगे होते हैं जिन्हें त्यौहार के बाद गमले में बोया जा सकता है।

गॉरमेट चॉकलेट्स और प्रीमियम ड्राई-फ्रूट हैम्पर्सः मिलावटी मिठाइयों के डर और लंबी शेल्फ-लाइफ के चलते पारंपरिक मिठाइयों की जगह आर्टिसनल चॉकलेट्स, भुने हुए गॉरमेट नट्स और ऑर्गेनिक स्नैक हैम्पर्स की मांग में 40 फीसदी से अधिक का उछाल आया है।

सिल्वर कॉइंस और डिजिटल गोल्डः शगुन के तौर पर लिफाफे में कैश देने के बजाय लोग चांदी के सिक्के, कस्टमाइज्ड सिल्वर ज्वेलरी और डिजिटल गोल्ड (UPI Apps के जरिए) गिफ्ट कर रहे हैं।

खरीदारी का बदलता मिजाज

पैमाना	पारंपरिक ई-कॉमर्स	क्विक कॉमर्स
खरीदारी का समय	त्यौहार से 5 से 10 दिन पहले	त्यौहार के दिन या 24 घंटे पहले
मुख्य उत्पाद	कपड़े, कस्टमाइज्ड गिफ्ट्स	महंगे गैजेट्स, ब्रांडेड राखियां, ताजी मिठाइयां, रोली-अक्षत थाली, इंस्टेंट हैम्पर्स
डिलीवरी का समय	1 से 3 दिन	10 से 15 मिनट
ग्राहक की मानसिकता	प्लांड शॉपिंग	इंस्टैंड और इमरजेंसी बाइंग

टेक ने कैसे बदला पूरा गिफ्टिंग मार्केट?

एनआरआई और इंटर-सिटी डिलीवरी आसानः विदेश या दूसरे शहरों में रहने वाले भाई-बहन अब भारतीय क्विक-कॉमर्स ऐप्स के जरिए सीधे अपने घर के पते पर 10 मिनट में रोली-अक्षत के साथ राखी-मिठाई भिजवा रहे हैं।

डिजिटल गिफ्ट कार्ड्स का बढ़ता क्रेजः कंफ्यूजन से बचने के लिए कई लोग फैशन ब्रांड्स, ब्यूटी स्टोर्स और इलेक्ट्रॉनिक्स प्लेटफॉर्म्स के डिजिटल गिफ्ट वाउचर्स सीधे व्हाट्सएप या ईमेल पर भेज रहे हैं।

पर्सनलाइजेशन और एआईः ई-कॉमर्स साइट्स पर एआई-जनरेटेड कस्टमाइज्ड फोटो फ्रेम्स, नाम लिखे हुए लेदर एक्सेसरीज और पर्सनलाइज्ड गिफ्ट सेट की मांग तेजी से बढ़ी है।

राखी पर 30 हजार करोड़ की शॉपिंग का अनुमान

कैट के सेकेट्री जनरल प्रवीण खंडेलवाल के अनुमान के अनुसार इस बार देशभर में राखी के मौके पर 30 हजार करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान है। खंडेलवाल ने कहा कि इस साल रक्षाबंधन के दौरान दिल्ली में लगभग 4,000 करोड़ रुपए का व्यापार होने की उम्मीद है, जबकि देश भर में कुल कारोबार के लगभग 30,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। इसमें राखियों, मिठाइयों, उपहारों, कपड़ों, सजावटी सामान, सूखे मेवों, इलेक्ट्रॉनिक उपहारों, घर की सजावट के सामान और पूजा की सामग्री की बिक्री शामिल है।

भारत विश्वगुरु है महाशक्ति नहीं... टोरंटो में संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले- अपने स्वभाव और सेवा के कारण बना ऐसा

कनाडा, एजेंसी। कनाडा के टोरंटों में 'हिंदू विश्व बंधु दुनिया को मित्रता से अपनाओ' नाम के कार्यक्रम में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत 'महाशक्ति' बनकर नहीं, बल्कि मानवता की निस्वार्थ सेवा के जरिए 'विश्वगुरु' बना है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि देश के सभ्यतागत DNA में सार्वभौमिक मित्रता, शरण देने की भावना और विविधता के प्रति सम्मान शामिल है।

भागवत ने कहा, कोई भारत को महाशक्ति कह सकता है, लेकिन वह ऐसा नहीं था। भारत ने दुनिया की सेवा की और अपने स्वभाव के कारण विश्वगुरु बना, महाशक्ति नहीं। भागवत ने अंतरराष्ट्रीय मानवीय संकटों के समय भारत की ओर से की गई मदद के ऐतिहासिक और आधुनिक उदाहरणों को याद किया। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पोलिश शरणार्थियों की मुश्किल स्थिति का ज़िक्र करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे जामनगर के महाराजा ने उन्हें तब तक शरण और सुरक्षा दी, जब तक वे सुरक्षित रूप से अपने घर नहीं लौट सके।

उन्होंने कहा, "मंच पर मौजूद गणमान्य व्यक्ति, बुजुर्ग, भाइयों और बहनों बहुत समय पहले, दुनिया के एक महान यात्री ह्वेन त्सांग भारत आए थे। उन्होंने नालंदा में कई चीजें सीखीं और ज्ञान प्राप्त किया... उन्हें विशाल गंगा नदी पार करनी थी। जब वे नाव से नदी पार कर रहे थे, तो उनके साथ नालंदा के तीन युवा भारतीय छात्र भी थे।" उन्होंने कहा, "तभी एक तूफान आ गया। ये साफ हो गया कि अगर नाव का वजन कम नहीं किया गया तो वह डूब जाएगी। नाव चलाने वाले ने उनसे कहा, 'अपना सामान फेंक दीजिए।' ये सुनकर ह्वेन त्सांग की आंखों में आंसू आ गए। ये उनकी जीवन भर की मेहनत थी और इतना महान ज्ञान था जिसे वे अपने देश के लोगों की भलाई के लिए ले जा रहे थे। अब वो सब पानी में जा रहा था। लेकिन नालंदा के उन तीन छात्रों ने उन्हें भरोसा दिलाया, 'चिंता न करें। नाव चलाने वाला वजन कम करना चाहता है। हम आपकी किताबों को नुकसान पहुंचाए बिना वजन कम कर देंगे। और एक के बाद एक, उन्होंने गंगा में छलांग लगा दी और अपनी जान दे दी ताकि चीन को ज्ञान मिल सके।" "ये भारत में हुआ था और ये कोई इकलौती घटना नहीं है। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान, पोलैंड के कई लोग शरणार्थी बन गए थे। वे अपना देश छोड़कर समुद्र के रास्ते भारत आए। उस समय भारत आजाद नहीं था। अंग्रेजों का शासन था और उन्होंने शरण देने से इनकार कर दिया। लेकिन उस समय, जामनगर जो एक स्वतंत्र रियासत थी—वहां के राजा ने उन्हें बुलाया और कहा, 'यहां आओ। यहीं बस जाओ। जब तक तुम्हारा देश तुम्हारे रहने लायक आजाद नहीं हो जाता, तब तक मैं तुम्हारी रक्षा करूंगा'..." "जब भी दुनिया में कहीं कोई संकट आया और भारत से मदद मांगी गई, तो भारत ने कभी मना नहीं किया और बिना मांगे भी भारत मदद करता है। यही हमारी परंपरा है। यही भारत का DNA है। इसलिए, आपने वह गीत सुना होगा, 'हिंदू जागे तो विश्व जागेगा'। आपने उसका पहला पद सुना होगा। 'हिंदू सदा से विश्व बंधु है'... तो भारत में, विविधता कभी भी एकता के लिए समस्या नहीं बनती क्योंकि हमारी परंपरा हमें सिखाती है कि विविधता में एकता ही नहीं, बल्कि विविधता ही एकता का रूप है..." मोहन भागवत ने कहा, "हमें इस विविधता की सेवा करनी चाहिए, इसे स्वीकार करना चाहिए और इसका सम्मान करना चाहिए, क्योंकि यह एकता की अभिव्यक्ति है। ये उसे सुंदर बनाती है। ये एक सजावट की तरह है। हम इसका जश्न मनाते हैं। लेकिन इस विविधता के बीच से गुज़रते हुए भी, हम हमेशा एकता को ही देखते हैं और इसीलिए, भारत में कई जातियां, कई पंथ और कई भाषाएं रही हैं। सब कुछ अनेक है। कोई भी चीज अकेली या एक नहीं है। लेकिन सब एक ही हैं। हम ये नहीं कहते कि 'सब एक हैं' (अलग-अलग लोग), हम कहते हैं 'सब एक है' (समग्र रूप से)। क्योंकि हम जानते हैं कि प्रकृति, यानी वास्तविकता की अभिव्यक्ति, विविध है। विविधता स्वाभाविक है। एकता ही वास्तविकता है। वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए ही आपको स्वाभाविक चीजों से निपटना होता है। ये भारत की प्राचीन सोच रही है; शायद मुझे पक्का नहीं पता उस समय इतनी सारी भाषाएं, जातियां और उप-जातियां नहीं रही होंगी। समय के साथ-साथ धीरे-धीरे इनका विकास हुआ।"

सुनाई मिथिला की कहानी

आरएसएस प्रमुख ने कहा, "मिथिला के प्राचीन राज्य में शासक को जनक कहा जाता था।" पहले जनक, दूसरे जनक – ऐसा कोई नामकरण नहीं था। जो भी राजा बनता, वही जनक कहलाता था। तो, पहले जनक एक बार अपने महल में सो रहे थे, तभी उन्हें एक सपना आया। सपने में उन्होंने देखा कि उनका राज्य छिन गया है और उन्हें बंदी बना लिया गया है। आदेश मिला कि सूरज डूबने से पहले उन्हें मिथिला छोड़ना होगा, वरना मार दिए जाएंगे और फिर घोषणा हुई कि राजा जनक अब राजा नहीं रहे, उन्हें देश निकाला दे दिया गया है। सूरज डूबने से पहले उन्हें राज्य की सीमा से बाहर निकलना होगा।" उन्होंने कहा ईश्वर द्वारा बनाई गई हर चीज का एक ही काम है। अलग-अलग रूपों, आकारों, रंगों आदि में ईश्वर की सुंदरता और पवित्रता को प्रकट करना और चूंकि सब कुछ ईश्वरीय है, सब कुछ एक है, इसलिए अगर हम सोचते हैं कि "यह मेरा है, और वह तुम्हारा है," तो यह अच्छी बात नहीं है। यह संकीर्ण सोच है..."

चीन–अमेरिका नहीं, बाढ़ से बेदम नेपाल की भारत ने की सबसे ज्यादा मदद

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भोटेकोशी आपदा के बाद रेस्क्यू और राहत अभियान जारी है। इस मुश्किल वक्त में भारत नेपाल की मदद करने वाले देशों में सबसे आगे है। भारत की ओर से अब तक 5 उड़ानों के जरिए 68।5 टन से ज्यादा रेस्क्यू और राहत सामान नेपाल पहुंचाया जा चुका है। इसके अलावा भारत की ओर से एक बेली ब्रिज भी भेजा जा रहा है, जिससे प्रभावित इलाकों में आवाजाही और राहत काम को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। नेपाल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत से पहुंची राहत सामग्री में मेडिकल सामान, खाना, डिग्निटी किट, टेंट और सोलर लैंप जैसी जरूरी चीजें शामिल हैं। आपदा के बाद कई इलाकों में जरूरी सुविधाएं प्रभावित हुई हैं। ऐसे में इन सामानों का इस्तेमाल रेस्क्यू और राहत अभियान में किया जा रहा है।

नेपाल को भारत के अलावा चीन से भी बड़ी मदद मिली है। चीन की ओर से अब तक 50 टन से ज्यादा राहत और रेस्क्यू सामान नेपाल पहुंच चुका है। इसमें कंबल और बॉडी बैग समेत कई जरूरी सामान शामिल हैं। वहीं, श्रीलंका ने नेपाल को 10 लाख अमेरिकी डॉलर की आर्थिक मदद देने का वादा किया है।

इसके अलावा UAE से बैग और सोलर लाइट जैसी चीजें मिली हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश से भी राहत सामग्री भेजने की तैयारी चल रही है। म्यांमार, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, जापान, ब्रिटेन और कतर से भी राहत सामान आने की प्रोसेस जारी है। यूरोपीय संघ, अमेरिका और कनाडा समेत कई देशों ने भी मदद का भरोसा दिया है। सिर्फ राहत सामान ही नहीं, बल्कि विदेशी एक्सपर्ट टीमें भी नेपाल के रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद कर रही हैं। भारत से 11 सदस्यीय एक्सपर्ट टीम, चीन से 9 सदस्यीय एक्सपर्ट टीम और दक्षिण कोरिया से भी एक टीम नेपाल पहुंच चुकी है। ये टीमें स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद कर रही हैं। आपदा के बाद अब तक 261 विदेशी नागरिकों को सुरक्षित बचाया जा चुका है, जबकि 400 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। मामूली रूप से घायल लोगों को फर्स्ट एड के बाद वापस भेज दिया गया है, जबकि कुछ लोग सदमे में हैं और उनका इलाज चल रहा है। नेपाल के सामने अभी भी बड़ी चुनौती शवों की पहचान और उन्हें सुरक्षित रखने की है। सरकार को 1,000 से ज्यादा फ्रीजर और DNA टेस्टिंग किट की जरूरत है। नेपाल ने ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ समेत कई देशों से इनकी मदद मांगी है। ऐसे में भारत की ओर से पहुंचाई गई बड़ी मात्रा में राहत सामग्री और एक्सपर्ट मदद नेपाल के जारी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए अहम है।

32 दिन बाद अमेरिका का ईरान पर तगड़ा हमला, तेहरान ने भी किया पलटवार ; 2 लोगों की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने रविवार को एक महीने में पहली बार सैन्य कार्रवाई करते हुए होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी रॉकेट लॉन्चर पर हमला किया। इससे छह महीने से ज्यादा समय से चल रहे रुक-रुक कर होने वाले युद्ध के दौरान लड़ाई में आई शांति भंग हो गई। ईरान ने तुरंत इस हमले का बदला लेने की कसम खाई। जिसके बाद ईरान ने अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाया है। इन हमलों में दो लोगों की मौत हो गई है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता टिम हॉकिन्स के अनुसार, रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के सैनिकों को होर्मुज स्ट्रेट में सी-माइन्स (समुद्री बारूदी सुरंगों) के साथ रॉकेट लॉन्च करने की तैयारी करते देखा गया। अमेरिकी सेना ने पिछले हफ्ते ही स्ट्रेट के अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट से सी-माइन्स हटाने का काम पूरा किया था।

ईरान के सरकारी प्रसारक द्वारा जारी एक बयान में गार्ड ने 'अपने कई लड़ाकों और देशवासियों के शहीद होने और घायल होने' की बात कही। खुले संघर्ष की वापसी इस क्षेत्र के लिए खतरनाक होगी, जहां 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है।

अमेरिकी सेना ने आखिरी बार 29 जुलाई को ईरान को निशाना बनाने की पुष्टि की थी, जब उसने तटीय निगरानी और रक्षा स्थलों सहित रिवोल्यूशनरी गार्ड के दर्जनों ठिकानों पर हमलों की भारी लहर की घोषणा की थी। 1 अगस्त को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि खाड़ी सहयोगियों – कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात – के आग्रह पर वे सेना को नए हमले रोकने का आदेश देंगे।

अमेरिका ने आर्थिक दबाव बनाने का रास्ता अपनाया

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने कहा था कि वह ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए सैन्य कार्रवाई के बजाय आर्थिक दबाव बढ़ाने पर ध्यान देगा। इस बदली हुई रणनीति का मुख्य आधार उन देशों या संस्थाओं को सजा देने की धमकी है जो तेहरान के साथ व्यापार जारी रखते हैं।

ईरानी मीडिया में छपे एक बयान में गार्ड के प्रवक्ता जनरल होसैन मोहेबी ने कहा कि रविवार का हमला 'आर्थिक युद्ध के दौरान ट्रंप सरकार की एक घातक गलती' थी और दुश्मन को इसके नतीजे सैन्य और आर्थिक रूप से भुगतने होंगे।

अमेरिकी सेना की तैयारी कमजोर

अमेरिका का प्रतिबंधों का रास्ता अपनाने का फैसला ऐसे समय में आया है जब प्रशासन महीनों के युद्ध के बाद हथियारों के कम होते भंडार पर विचार कर रहा है। इससे चिंता बढ़ गई है कि लंबे समय तक चलने वाला यह संघर्ष दुनिया के अन्य हिस्सों में अमेरिकी सेना की तैयारी को कमजोर कर सकता है।

जैसे-जैसे संघर्ष खिंचता जा रहा है, युद्ध को जल्दी खत्म करने के बारे में ट्रंप की बातें भी फीकी पड़ती दिख रही हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते जोर देकर कहा था कि वह ईरान को बातचीत की मेज पर वापस लाने की जल्दबाजी में नहीं हैं और वह लगातार यह बात कह रहे हैं कि इस्लामिक रिपब्लिक का नेतृत्व मुश्किल स्थिति में है। हालांकि, पिछले महीने ईरान के वरिष्ठ सुरक्षा नेतृत्व में की गई नियुक्तियों ने दशकों के प्रतिबंधों का सामना करने के बाद भी तेहरान के कड़े रुख और देश के भीतर असहमति के प्रति असहिष्णुता का संकेत दिया है।

270 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान

ट्रंप ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि अमेरिका और इजराइल का अभियान ईरान की नौसेना और वायु सेना के लिए विनाशकारी रहा है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि देश को 270 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नुकसान हुआ है। युद्ध के शुरुआती हफ्तों में इजराइली सैन्य हमलों ने धार्मिक सरकार के नेतृत्व ढांचे का एक बड़ा हिस्सा खत्म कर दिया था।

मशाल जुलूस हुआ हिंसक, पुलिस पर पथराव के बाद आंसू गैस के गोले छोड़े

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के काकचिंग जिले में रविवार रात राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) को अपडेट करने की मांग को लेकर निकाला गया मशाल जुलूस हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने पुलिस पर पथराव किया, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कई आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना में कुछ प्रदर्शनकारियों को मामूली चोटें आई हैं।

वाबागाई, हियांगलाम और आसपास के इलाकों के सैकड़ों ग्रामीणों ने रविवार रात करीब तीन किलोमीटर लंबा मार्च निकाला। प्रदर्शनकारी 'नो NRC, नो Census' के नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि राज्य में जनगणना की प्रक्रिया शुरू करने से पहले NRC को अपडेट किया जाए। साथ ही उन्होंने आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (IDPs) के पुनर्वास से पहले जनगणना कराने का विरोध किया।

अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारी जब काकचिंग जिला मुख्यालय की ओर बढ़ रहे थे, तब पुलिस ने कीराक बांध इलाके के पास उन्हें रोक दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से वापस लौटने को कहा। इसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों में से कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई आंसू गैस के गोले छोड़े। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को मामूली चोटें आईं।

मणिपुर में हिंसा का क्या है पुराना संदर्भ?

मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा जारी रही है। इस हिंसा में अब तक 260 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। ताजा विरोध प्रदर्शन में NRC और जनगणना से जुड़े मुद्दों के साथ विस्थापित लोगों के पुनर्वास की मांग भी प्रमुख रही। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

नेपाल बाढ़ पर पर्यावरणविद् की चेतावनी: 'हिमालय के बढ़ते खतरे को समझें, टिकाऊ विकास जरूरी'

कोलकाता, एजेंसी। पर्यावरणविद् भवरीन कंधारी ने नेपाल में आई अचानक बाढ़ को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि नेपाल की आपदा को जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियर पिघलने और हिमालय के बढ़ते खतरे के बारे में एक गंभीर चेतावनी के तौर पर देखा जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने चित्रकूट जैसे इलाकों में जहां जलस्तर बढ़ रहा है। उन्होंने टिकाऊ विकास और तत्काल तैयारी की जरूरत पर भी जोर दिया। नेपाल में अचानक आई बाढ़ पर भवरीन कंधारी ने कहा, 'इसे सिर्फ प्राकृतिक आपदा कहना सही नहीं है, क्योंकि जाहिर है कि जहां ग्लेशियर होते हैं, वहां प्राकृतिक आपदाएं तो आती ही हैं। हिमालय भी दूसरी पर्वत श्रृंखलाओं की तुलना में काफी नई पर्वत श्रृंखला है, इसलिए यह अभी भी पूरी तरह मजबूत नहीं है। इसे स्थिर होने या बसने में शायद लाखों साल लग जाएंगे।'

संवेदनशील इलाकों में निर्माण से बढ़ा खतरा

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे प्राकृतिक आपदाएं आती हैं, लेकिन हम उन्हें और बदतर और गंभीर बनाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। तापमान ऊपर जा रहे हैं। यह प्रदूषण और इको-सेंसिटिव जोन में कंस्ट्रक्शन के कारण हो रहा है। ब्लास्टिंग की जा रही है। इसलिए इन्हें सिर्फ प्राकृतिक आपदा नहीं मानकर, जो गलतियां हो रही हैं, उन्हें सुधारना चाहिए।' उन्होंने एक सुझाव देते हुए कहा, 'हिमालय को साझा करने वाले जो भी देश हैं, उन्हें एक साथ मिलकर इससे बचने के उपाय करने चाहिए।' उन्होंने कहा कि तापमान लगातार बढ़ रहा है और इस पर काफी स्टडी हो चुकी है। मामला बहुत नाजुक है और गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। पूरी समस्या को समग्र रूप से देखना जरूरी है, चाहे वह कोयले का उत्पादन हो, हाइड्रोपावर प्लांट बनाना हो, या इन इलाकों में बहुत ज्यादा पर्यटकों को लाना और कार्बन फुटप्रिंट बढ़ाना हो। हमने उत्तराखंड और हिमाचल में साफ तौर पर ऐसी गलतियां देखी हैं, जहां पेड़ों की कटाई वाले कई प्रोजेक्ट चलाए गए।

हिमालयी देशों को सहयोग करने की जरूरत

सीमा पार सहयोग पर जोर देते हुए भवरीन कंधारी ने कहा, 'हां, बिल्कुल। न सिर्फ भारत और नेपाल के बीच, बल्कि चीन के साथ भी सीमा पार सहयोग की जरूरत है। हिमालय रेंज से जुड़े सभी देशों को साथ आना होगा, और साथ ही अर्ली वार्निंग और दूसरे सिग्नलिंग सिस्टम वगैरह का भी इस्तेमाल करना होगा।'

टॉक्सिक से पहले इन फिल्मों में अपना अभिनय कौशल चुकीं तारा सुतारिया, एक में अकेले दहाड़ीं

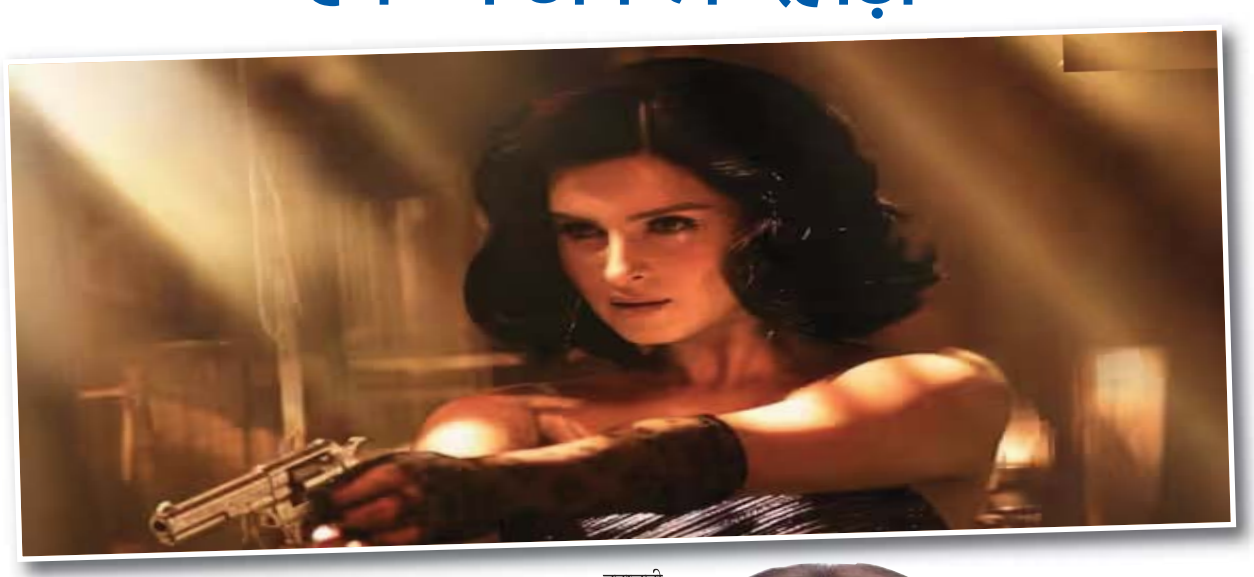

तारा सुतारिया अपनी हालिया रिलीज फिल्म टॉक्सिक को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें मुख्य अभिनेता यश हैं। इस एक्शन-थ्रिलर ड्रामा में उन्होंने रेबेका नाम का एक बेहद अलग और डार्क किरदार निभाया है। यह उनके फिल्म करियर की पहली पैन-इंडिया फिल्म है। तारा ने अपना करियर बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट डिज्नी के शो द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर से किया था। इसके बाद फिल्मों में पहचान बनाई। चलिए एक नजर उनके अब तक के फिल्मी सफर पर डालते हैं।

तारा को बॉलीवुड की दुनिया में लाने का श्रेय फिल्म निर्माता करण जौहर को जाता है।

उनकी कंपनी धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से अभिनेत्री ने फिल्मी दुनिया में कदम रखा। यह फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी।

उनके साथ टाइगर श्रॉफ और अनन्या पांडे भी फिल्म में मुख्य किरदार निभाते हुए नजर आए। कॉलेज ड्रामा पर आधारित इस फिल्म में तारा ने एक शहरी और ग्लैमरस लड़की का किरदार निभाया था।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 की सफलता के बाद, तारा को सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म मरजावां में देखा गया। इस रोमांटिक-ड्रामा में उन्होंने एक गूंगी लड़की का चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया था।

इसके बाद उन्हें हीरोपंती 2 और एक विलेन रिटर्न्स जैसी बड़े बजट की फिल्मों में देखा गया।

हालांकि, तारा की यह सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल न दिखा सकीं और फ्लॉप साबित हुईं, लेकिन तारा ने अपने अभिनय के लिए खूब वाहवाही बटोरी।

साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म अपूर्वा तारा के करियर के लिए सबसे बड़ा बदलाव साबित हुई। निखिल नागेश भट द्वारा निर्देशित यह सर्वाइवल थ्रिलर महिला प्रधान फिल्म है।

इसमें उन्होंने न सिर्फ अपनी ग्लैमरस छवि को पीछे छोड़ा, बल्कि हिम्मतवाली लड़की का संजीदा किरदार निभाकर वह पर्दे पर अकेले दहाड़ती दिखीं। उनके अभिनय को खूब सराहा गया।

फिल्म में उनके अलावा, अभिषेक बनर्जी, राजपाल यादव और धैर्य करवा भी अहम भूमिकाओं में मौजूद रहे।

कॉफी विद करण सीजन 9 के पहले मेहमान होंगे सलमान खान, शो में अकेले करेंगे शिरकत

करण जौहर का लोकप्रिय चैट शो कॉफी विद करण अपने 9वें सीजन को लेकर खूब चर्चा बटोर रहा है। फिलहाल तो शो की आधिकारिक प्रीमियर तारीख का ऐलान होना बाकी है, लेकिन खबर है कि यह अक्टूबर या नवंबर से टीवी पर दस्तक दे सकता है। ताजा अपडेट है कि शो के नए सीजन की शुरुआत सलमान खान के साथ में होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि अभिनेता इस शो में अकेले मेहमान बनकर शामिल होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया कॉफी विद करण 9 में सलमान के शामिल होने की पुष्टि की।

उन्होंने कहा, सलमान ने प्रीमियर एपिसोड में करण जौहर के सामने अपनी उपस्थिति की पुष्टि कर दी है। अन्य विवरणों पर अभी बातचीत चल रही है, लेकिन वे इस बात पर सहमत हैं कि इस साल अभिनेता अकेले ही नजर आएंगे।

सूत्र ने बताया कि शो को लेकर तैयारी चल रही है। जैसे ही सबकुछ तय होगा, इसकी जानकारी दी जाएगी।

कॉफी विद करण सीजन 9 का प्रसारण जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा, जिसकी स्ट्रीमिंग तारीख का आना बाकी है।

करण ने नए सीजन में कंटेंट को ताजा बनाए रखने के लिए छोटे सेगमेंट और फॉर्मेट में बदलाव के साथ एक नए सिंटेक्स का वादा किया है।

खबरों के अनुसार, इस साल के एपिसोड सिर्फ हिंदी सिनेमा के सुपरस्टारों तक ही सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि इनमें दक्षिण भारतीय सिनेमा, ओटीटी प्लेटफॉर्म के टैलेंट और डिजिटल क्रिएटर्स जैसे मेहमान भी शामिल होंगे।

सीमाएं पार करने की कोशिश हो तो छोड़ देती हूं दृश्य: शुभांगी शर्मा

ओटीटी और बोल्ड सामग्री की दुनिया में काम करने वाली अभिनेत्री शुभांगी शर्मा ने मनोरंजन उद्योग में अपने अनुभवों को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें साझा की हैं। उन्होंने बताया कि बोल्ड दृश्यों की शूटिंग पर्दे पर जितनी सहज दिखाई देती है, वास्तविकता में कई बार कलाकारों के लिए उतनी ही असहज हो सकती है।

शुभांगी के मुताबिक, उद्योग में अधिकांश कलाकार और तकनीकी दल पेशेवर तरीके से काम करते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो बोल्ड दृश्यों की परिस्थितियों का अनुचित फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में कलाकार के लिए अपनी सीमाएं स्पष्ट रखना बेहद जरूरी है।

शुभांगी ने बताया कि उनका करियर सीधे बोल्ड सामग्री से शुरू नहीं हुआ था। वह पहले एक निजी कंपनी में नौकरी करती थीं। परिस्थितियों के कारण उन्हें मनोरंजन उद्योग में कदम रखना पड़ा। शुरुआत में यह उनके लिए आसान निर्णय नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने इस काम के तरीके को समझा और अपने पेशे में सहज होती गईं।

आज वह कई बोल्ड धारावाहिकों और वेब श्रृंखलाओं में काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री का कहना है कि अब वह अपने काम को लेकर पहले की तुलना में अधिक आत्मविश्वास महसूस करती हैं। हालांकि, उनके अनुभव में इस उद्योग में भी अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोग मौजूद हैं।

बोल्ड दृश्यों की शूटिंग के दौरान सह-कलाकारों के व्यवहार को लेकर शुभांगी ने कहा कि हर कलाकार एक जैसा नहीं होता। कई कलाकार पूरी तरह पेशेवर रहते हैं और केवल दृश्य की जरूरत के अनुसार काम करते हैं। ऐसे कलाकार अपने साथी को सहज महसूस कराने और उसकी सीमाओं का सम्मान करने का पूरा प्रयास करते हैं।

हालांकि, उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग शूटिंग के माहौल का फायदा उठाने की कोशिश भी करते हैं। कभी-कभी सह-कलाकार निर्धारित निर्देशों से हटकर व्यवहार करने लगते हैं, जिससे अभिनेत्री के लिए स्थिति असहज हो जाती है।

शुभांगी के अनुसार, अंतरंग या बोल्ड दृश्यों की शूटिंग के दौरान निर्देशक कलाकारों को लगातार निर्देश देते हैं। कैमरे के सामने किस तरह खड़ा होना है, किस दिशा में देखना है और दृश्य को किस तरीके से प्रस्तुत करना है, इन सभी बातों का ध्यान रखा जाता है।

उन्होंने बताया कि कुछ सह-कलाकार कभी-कभी निर्धारित निर्देशों से अलग व्यवहार करने लगते हैं। कुछ लोग जानबूझकर बार-बार दृश्य दोहराने की कोशिश भी कर सकते हैं। यदि उन्हें लगता है कि कोई कलाकार जानबूझकर दृश्य को लंबा कर रहा है या तय सीमा से आगे जाने का प्रयास कर रहा है, तो वह शूटिंग के बीच में ही दृश्य छोड़ देती हैं।

अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि उद्योग में सभी सह-कलाकारों का व्यवहार ऐसा नहीं होता। उनके अनुसार, कई कलाकार बेहद पेशेवर होते हैं और शूटिंग के दौरान अपने साथी कलाकार की सहजता का पूरा ध्यान रखते हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी अंतरंग दृश्य को शूट करने के लिए दोनों कलाकारों के बीच भरोसा, आपसी सहमति और पेशेवर व्यवहार बेहद जरूरी है। यदि सह-कलाकार आपकी सीमाओं का सम्मान करता है तो शूटिंग का अनुभव बेहतर और सुरक्षित हो सकता है।

शुभांगी ने सामाजिक माध्यमों पर मिलने वाले आपत्तिजनक संदेशों को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि उनकी कोई नई वेब श्रृंखला या कार्यक्रम जारी होने के बाद उन्हें बड़ी संख्या में निजी संदेश मिलने लगते हैं।

उनके अनुसार, कुछ लोग बेहद आपत्तिजनक संदेश भेजते हैं। कुछ उपयोगकर्ता बिना अनुमति वीडियो कॉल करने का प्रयास करते हैं, जबकि कुछ लोग आपत्तिजनक तस्वीरें तक भेज देते हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें कभी-कभी शादी के प्रस्ताव भी मिलते हैं, हालांकि वह ऐसे संदेशों को गंभीरता से नहीं

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com